RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 248 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 27 अगस्त, 2025 | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

वैष्णो देवी मार्ग पर तबाही, 33 की मौत

पत्थर गिरने से जम्मू-कटरा राजमार्ग बंद, 22 ट्रेनें रद्द

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही भारी बारिश की वजह से हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। कटरा स्थित माता वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर बुधवार को हुए बड़े भूस्खलन में कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और 33 लोग घायल हुए हैं। कई जगहों पर भूस्खलन के बाद मलबा जमा होने और पत्थर गिरने से जम्मू-कटरा राजमार्ग बंद हो गया है। भारी बारिश के कारण नॉर्दर्न रेलवे ने बुधवार को 22 ट्रेनें रद्द कर दीं और 27 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया। इनमें वैष्णो देवी बेस कैंप से चलने वाली 9 ट्रेनें भी शामिल हैं। भूस्लखन में 33 लोगों की मौत की पुष्टि प्रशासन ने भी की है।

बीते दिन त्रिकूट पहाड़ी पर स्थित मंदिर के मार्ग का बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो गया था। बचाव अभियान जारी है और आशंका है कि मलबे के नीचे और लोग फंसे हो सकते हैं। लगातार बारिश ने जम्मू-कश्मीर में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति पैदा कर दी है। जम्मू में पुल ढह गए, बिजली लाइनों और मोबाइल टावरों को भारी नुकसान पहुंचा. मंगलवार को सुबह 11.30 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच जम्मू में 6 घंटे में 22 सेंटीमीटर बारिश हुई. हालांकि आधी रात के बाद बारिश में कमी आई, जिससे जिले को थोड़ी राहत मिली। बारिश के कारण आई बाढ़ और जलभराव से 3,500 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। राहत कार्य जिला प्रशासन, जेके पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, भारतीय सेना और स्थानीय वॉलंटियर्स की संयुक्त टीमों द्वारा चलाया जा रहा है। प्रभावित लोगों को अस्थायी शेल्टर्स में खाना, साफ पानी और मेडिकल सहायता दी जा रही है।

हालांकि, केंद्रशासित प्रदेश के कई हिस्सों में टेलीकॉम ब्लैकआउट हो गया है, जिससे लाखों लोग संपर्क से बाहर हैं। प्रशासन का ध्यान हाई-रिस्क इलाकों से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाने पर है। वर्तमान में जम्मू और आसपास के इलाकों में तेज आंधी-तूफान और भारी बारिश हो रही है। सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र हैं - जम्मू शहर, आरएसपुरा, सांबा, अखनूर, नगरोता, कोट भलवाल, बिश्नाह, विजयपुर, पुरमंडल, कठुआ और ऊधमपुर। वहीं रियासी, रामबन, डोडा, बिलावर, कटरा, रामनगर, हीरानगर, गूल और बनिहाल में हल्की बारिश हो रही है।

प्रधानमंत्री ने जताया दु:ख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन घटनाओं पर दुख जताया। एक एक्स पोस्ट में उन्होंने कहा, 'श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर हुए भूस्खलन के कारण हुई जनहानि दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल जल्द से जल्द स्वस्थ हों। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।'

उत्तर प्रदेश के दो युवक लैंडस्लाइड का बने शिकार

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के दो युवक जम्मू लैंडस्लाइड हादसे का शिकार हो गए। इसमें आगरा

के 21 वर्षीय शिव बंसल और मुजफ्फरनगर का एक युवक कार्तिक शामिल है। ये लोग परिवार और दोस्तों के साथ वैष्णो देवी के दर्शन के लिए गए थे. मगर लैंडस्लाइड के बाद लापता हो गए। जैसे ही इसकी सूचना घरवालों को मिली परिवार में मातम पसर गया। दोनों युवकों का पता नहीं चला है।

जानकारी के अनुसार, आगरा के खेरागढ़ से पांच युवकों का ग्रुप 23 अगस्त को वैष्णो देवी की यात्रा पर निकला था। मंगलवार को कटरा के पास अन्य मंदिरों में दर्शन करने के लिए टैक्सी से जा रहे थे। तभी किशनपुर-डोमेल रोड पर गरनई लोटा के पास पहाड़ से मलबा गिरने लगा। रास्ता अवरुद्ध होने पर युवक टैक्सी से उतर गए। इस बीच अचानक पानी का तेज बहाव आ गया और शिव बंसल उसमें बह गया।

'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों की गूंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में 10 दिवसीय गणेशोत्सव का आगाज हो गया है। पूरे देश में धूमधाम से लोग बप्पा को अपने घरों या पंडालों विराजित कर रहे हैं। लोग बड़े उत्साह के साथ भगवान गणेश को अपने घरों, मकानों और सार्वजनिक पंडालों में ला रहे हैं। सुबह से ही चारों ओर 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया' के जयकारों की गूंज सुनाई दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने इस पावन अवसर पर सभी के कल्याण और समृद्धि की कामना की। पीएम मोदी ने लिखा, आप सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। भक्ति और आस्था से भरा यह पावन अवसर सभी के लिए मंगलमय हो। मैं भगवान गजानन से प्रार्थना करता हूं कि वे अपने सभी भक्तों को सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें। गणपति बप्पा मोरया!

जीएसटी चोरी में चीनी महिला गिरफ्तार, 10 करोड़ रुपये का टैक्स चोरी

मेरठ/नोएडा (चेतना मंच)। करोड़ों रुपए की जीएसटी चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक चीनी महिला को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि लगभग 10 करोड रुपए की टैक्स चोरी करने वाली कंपनी ने लगभग 27 करोड रुपए हवाला के जरिए देश से बाहर भेजे हैं। इस मामले में चीनी महिला सहित एक कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर को भी गिरफ्तार किया गया है। गौतमबुध नगर सीजीएसटी में तैनात करअपवंचन अधीक्षक ने बताया कि एक एलईडी डिस्प्ले बनाने वाली कंपनी ने जीएसटी चोरी करके करोड रुपए का नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि यह कंपनी वीडियो डिस्प्ले यूनिट बनती है। नियम के अनुसार इन पर 28 प्रतिशत जीएसटी लगता था **(शेष-3 पर)**

मासूम बेटे को जहर देकर कारोबारी और पत्नी ने की आत्महत्या

आर्थिक तंगी से जूझ रहा था परिवार

शाहजहांपुर (एजेंसी)। शाहजहांपुर के से दिल झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां रोजा थाना क्षेत्र के दुर्गा एन्कलेव कॉलोनी में चार साल के मासूम बेटे को जहर देने के बाद हैंडलूम कारोबारी सचिन ग्रोवर और उसकी पत्नी शिवांगी ने आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह मासूम का शव कमरे में बेड पर पड़ा मिला। दंपती के शव अलग-अलग कमरों में फंदे से लटके मिले। पुलिस के मुताबिक कारोबारी आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

शाहजहांपुर में इस दर्दनाक हादसे में सब हैरान हैं।

घटना से कॉलोनी में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने ही थाना पुलिस पहुंच गई। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ओयो होटल की बुकिंग कैंसिल करते ही बैंक अकाउंट हुआ खाली

नोएडा (चेतना मंच)। साइबर ठग जलसाजी के लिए नए-नए जुगाड़ लगा रहे हैं। अब नोएडा के थाना सेक्टर 20 में एक पीड़ति ने ओयो होटल की बुकिंग कैंसिल करने के नाम पर की गई धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है।

सेक्टर 27 में रहने वाले राजेंद्र कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 12 अगस्त को किसी कार्य से लखनऊ गए थे। उन्होंने रुकने के लिए ओयो एप से होटल बुक किया था। बुकिंग करने के कुछ देर बाद ही एक अनजान नंबर से उनके पास कॉल आया। कॉल करने वाले ने पूछा कि वह कितनी देर में होटल पहुंचेंगे। राजेंद्र कुमार के मुताबिक बुक किया गया होटल उनकी लोकेशन से 10 किलोमीटर दूर था इस पर उन्होंने बुकिंग को कैंसिल कर दिया। कुछ देर बाद उनके पास फिर कॉल आया और बुकिंग कैंसिल कराने के लिए ओटीपी की जानकारी ली। उनके द्वारा ओटीपी बताए जाने पर मोबाइल पर तरह-तरह के मैसेज आने लगे। फ्रॉड होने का संदेह होने पर उन्होंने अपना अकाउंट टोल फ्री नंबर **(शेष-3 पर)**

विधायक ने किया होशियापुर व गिझौड़ गांव में जनसंवाद

5 फ़ीसदी भूखंड दिलाने का किसानों से किया वादा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह ने आज 'गांव चलो अभियान' की कड़ी में होशियारपुर तथा गिझौड़ गांव का दौरा किया।

आज सुबह करीब 10:30 बजे विधायक होशियारपुर के बारात घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की शिकायतें सुनी। शिकायतें सुनने के बाद उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सभी वाजिब मांगों का समाधान कराया जाएगा। इसके बाद में वे गिझौड़ गांव के बारातघर पहुंचे तथा वहां पर उन्होंने किसानों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को 5 फीसदी भूखंड दिलाने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्हांने कहा कि वे इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ से भी वार्ता करेंगे।

इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के सिविल एवं जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, वर्क सर्किल-3 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक राजकमल सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार, जन स्वास्थ्य विभाग खंड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल एवं उद्यान विभाग के निदेशक आनंद मोहन सिंह समेत कई अधिकारी भी मौजूद थे।

इसके अलावा भाजपा के नोएडा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, सतपाल यादव, उमेश त्यागी, महेश अवाना, बृजपाल चौहान, रामकिशन यादव, दीनबंधु, करतार चौहान, भूपेश चौधरी, ओमवीर अवान, विपुल शर्मा, ओम यादव, अशोक मिश्रा, रवि यादव, अर्पित गोयल, घनश्याम यादव, लालू यादव, दिनेश यादव, इंदर सिंह यादव, राम प्रकाश शर्मा, बबलू यादव, मनमोहन चौहान, गोपाल गौड, राहुल शर्मा, उमेश यादव, नरेंद्र चौहान, संदीप उपाध्याय, ठाकुर देशराज सहित अधिकारी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

हरौला से किशोरी लापता

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस वन क्षेत्र के हरौला गांव में किराए पर रहने वाले एक व्यक्ति की 15 वर्षीय बेटी बिना बताए घर से चली गई। पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मूल रूप से मऊ के रहने वाले प्रमोद (काल्पनिक नाम) ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि वह अपने परिवार के साथ हाल में हरौला गांव में किराए पर रह रहा है। 25 अगस्त को वह और उसकी पत्नी किसी काम से घर से बाहर गए थे कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी बेटी घर पर नहीं थी उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

एनकाउंटर में 25 हजार का ईनामी बदमाश घायल

नोएडा (चेतना मंच)। पत्नी को फोन कर परेशान करने वाले बदमाश को थाना सेक्टर 142 पुलिस ने एनकाउंटर के बाद

युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने के आरोप में वांछित चल रहे 25 हजार रुपए का इनामी बदमाश घायल हो गया।

सेंट्रल जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना प्रभारी पुलिस टीम के साथ जैन फार्म के पास चैकिंग कर रहे थे। इस दौरान बाइक पर आ रहे एक युवक को पुलिस टीम ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर उक्त व्यक्ति बाइक को मोड़कर भागने लगा भागने के प्रयास में उसकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल कर गिर गई। खुद को घिरा देखकर पुलिस टीम पर फायर कर दिया पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उक्त व्यक्ति के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। **(शेष-3 पर)**

गिरफ्तार किया है। एनकाउंटर के दौरान पुलिस की गोली लगने से

सिगरेट उधार ना देने पर महिला से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सिगरेट उधार ना दिए जाने पर तीन भाइयों ने महिला के साथ गाली गलौज व मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी धमकी देकर फरार हो गए महिला के पति ने तीनों आरोपियों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज कराया है। यह मामला चार माह बाद दर्ज हुआ है

बृजवासीपुरम ग्रेटर नोएडा निवासी शिव मूर्ति ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह परचून की दुकान चलाता है। 30 अप्रैल की शाम को उनकी पत्नी मोहनवती अपनी मां मालवती **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

माँ- बेटी ने दी जान से मारने की धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा 2 में एक महिला ने मां बेटी के खिलाफ जान से मारने की धमकी देने का आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों के खिलाफ पूर्व में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मुकदमे को वापस न लेने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

ग्रेटर नोएडा के ओमेगा 2 सेक्टर में रहने वाली निहारिका पाठक ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले अनिल गुप्ता की पत्नी पूनम गुप्ता और उनकी बेटी इस्ता गुप्ता ने उनके परिजनों को ओमेक्स एनआरआई सिटी पर रोक लिया और जान से मारने की धमकी दी। मां बेटी का कहना था कि उनके खिलाफ दर्ज कराए गए मुकदमे को वह वापस ले लें, अन्यथा इसका अंजाम बुरा होगा। पीड़िता के मुताबिक पूर्व में उनके परिवार द्वारा अनिल गुप्ता उनकी दोनों बेटियों और पत्नी के खिलाफ थाना बीटा दो में मुकदमा दर्ज कराया गया था। इस मुकदमे को वापस लेने के लिए उन पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है। बीते दिनों अनिल गुप्ता की पत्नी पूनम गुप्ता और उनकी बेटी ने मुकदमा वापस न जाने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी है। पुलिस का कहना है कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

बाइक चलाने के शौक ने बना दिया चोर

नोएडा (चेतना मंच)। मोटरसाइकिल चलाने के शोक में एक किशोर चोर बन गया। मोटरसाइकिल चलाने के शोक को पूरा करने के लिए उसने अलग-अलग स्थान से दो बाईकों को ही चोरी कर लिया। थाना सेक्टर 113 पुलिस में बाल अपचारी को संरक्षण में लेकर उससे चोरी की दो बाइक बरामद की हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम टिवोली मैरिज होम के पास चैकिंग कर रही थी। इस दौरान एक किशोर पुलिस को देखकर बाइक मोड कर भागने लगा संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया । पूछताछ में किशोर ने बताया कि उक्त बाइक चोरी की है उसने इस बाइक को **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

राहगीरों से छीनते थे मोबाइल, पुलिस ने पकड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है इनके पास से लूट व चोरी के पांच मोबाइल फोन एक तमंचा कारतूस दो चाकू व एक बाइक बरामद हुई है।

एडीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि लूट व चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन बदमाश बाइक पर सवार होकर अगाहपुर गांव की तरफ आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम सेक्टर-49 रेड लाइट की तरफ से आने वाले रास्ते पर बैरियर लगाकर चेकिंग करने लगी इस दौरान बाइक पर आए तीन युवकों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस में कार्रवाई करते हुए तीनों बाइक सवारों को दबोच लिया।

तलाशी में उनके पास से तमंचा, कारतूस, चाकू, 15 मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए बदमाशों ने अपने नाम सचिन पुत्र राजेश कुमार, शेखर पुत्र संतोष व दशरथ पुत्र तेजराम निवासी सदरपुर बताए। पूछताछ में सचिन व शेखर ने बताया कि वह राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीनकर भाग जाते हैं। उन्होंने सेक्टर-18 सेक्टर 37 सेक्टर 36 की सड़कों पर कई राहगीरों से मोबाइल फोन छीने हैं। करीब 20 दिन पहले उन्होंने सेक्टर-107 स्थित **(शेष पृष्ठ-3 पर**

जगह-जगह शुरू हुई सिद्धिविनायक की पूजा अर्चना

नोएडा (चेतना मंच)। आज गणेश चतुर्थी के अवसर पर नोएडा में जगह-जगह पंडाल सजाकर गणपति बप्पा की मूर्तियां स्थापित कर पूजा अर्चना शुरू की गई।

आज सेक्टर-11 स्थित मंदिर में आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष अनुज गुप्ता तथा सेक्टर के लोगों ने परिवार के साथ सुबह गणेश जी की पूजा अर्चना की। यहां पर रोजाना सुबह तथा शाम को पूजा अर्चना की जाएगी। इसके बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं सेक्टर-12 के वी ब्लॉक में भी आज गणपति बप्पा की सोनी परिवार द्वारा स्थापना की गई। आज सुबह यहां पूजा-अर्चना की गई। इस मौके पर एवरग्रीन आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष पुनीत शुक्ला, मयंक सोनी, इशा सोनी, प्रिया सोनी, उषा सोनी, नीलम ढींगरा, चाहत ढींगरा, अमित बत्रा तथा संजय सोनी आदि मौजूद थे।

इसके अलावा नोएडा के सेक्टर-19 लक्ष्मी नारायण मंदिर के अलावा सेक्टर-22 में सिद्धिविनायक मंदिर सेक्टर-62 में कार्तिकेय विनायक मंदिर में भी पूजा अर्चना की गई। नोएडा में सेक्टर-18, 62,119,110, 107, 120, 34 तथा 137 की सोसाइटी में भी गणेश प्रतिमा स्थापित की गई तथा पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही मंदिरों तथा पंडालों में मंत्रोच्चार के साथ गणेश वंदना की गई तथा आरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया।

दहेज के दानव

ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में 26 वर्षीय ब्याहता महिला को, उसके 6 साला बेटे के सामने, जला कर मार दिया गया। यह दहेज-हत्या ही है। हम बार-बार हैरान होते हैं कि जिसे अपना जीवन-साथी बनाया हो, अग्नि को साक्षी मान कर फेरे लिए और सात कसमें खाई हों, उसे ही आग की लपटों के हवाले करने की बर्बरता कैसे की होगी? कोई राक्षस ही ऐसा पाशविक अपराध कर सकता है। एक बेटी मां-बाप का घर परित्याग कर एक अपरिचित घर में जाती है। उस घर का चिराग बनकर, उस घर का चिराग प्रज्वलित करने जाती है। उसी का उत्पीड़न किया जाता है और अंतत: उसे ही जला कर मार दिया जाता है। दहेज का लालच 'दानव' बन जाता है। यह कैसी नियति है, प्रभु? बेटी बाबुल के घर को अलविदा कहती है, लेकिन यह कैसी सामाजिक और सडियल व्यवस्था है, जो बेटी को ही जलने, कटने और अंतत: मरने को छोड़ देती है? ग्रेटर नोएडा की बेटी निक्की अपने साथ खूब धन-धान्य लेकर ससुराल आई थी। इसे 'दहेज' भी कह सकते हैं, लेकिन पति, सास आदि की 35 लाख रुपए की ललचाई मानसिकता ने, अंतत:, बेटी को मौत तक पहुंचा दिया। हैरत इस पहलू पर भी होती है कि जब 'राक्षसों के घर' में बेटी सुरक्षित नहीं थी, तो दूसरी बेटी भी उसी घर में क्यों ब्याही गई? बेटी के मां-बाप के फैसले पर सवाल ही नहीं उठते, बल्कि शंका भी होती है! हमें एक पत्रकार-मित्र की बेटी के रिश्ते का मामला याद आता है। जब प्रस्तावित वर के मामा ने पहला सवाल किया था कि आपका बजट कितना है, तो बेटी के पापा ने पलटजवाब दिया था-'क्या शादी बजट से की जानी है? हम औसत घर-परिवार वाले हैं। शादी वर-वधु के बीच होनी है। क्या गरीबों की बेटियों की शादी नहीं होती?' मामाजी खामोश, निरुत्तर हो गए। निक्की के माता-पिता ने भी कड़ा रुख अख्तियार किया होता, तो शायद बेटी का रिश्ता किसी और परिवार में होता, लेकिन बेटी जिंदा और सुरक्षित रहती! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रपटों के मुताबिक, दहेज-हत्याओं के क्रूर सच उत्तर प्रदेश के अलावा, बिहार और हरियाणा के कई पॉकेट्स में भी हैं। वहां दहेज एक सामान्य चलन और परंपरा है। निक्की जैसी बेटियों की पहुंच किसी कानून, सरकारी या गैर-सरकारी संरक्षण तक नहीं है। बस बेटियों की शादी कर दी जाती है और उन्हें प्रताड़ना, हिंसा और मौत के लिए छोड़ दिया जाता है। कानून तो है, लेकिन ऐसा नहीं है, जो बेटियों को पूरी सुरक्षा दे सके। 2022 में दहेज-हत्या ट्रायल में सजा की दर 33 फीसदी थी, लेकिन दहेज से जुड़े सभी मामलों में, उस साल लंबित मामले 60,577 थे, सजा की दर मात्र 2 फीसदी रही। आखिर दहेज के कारण बेटियां कब तक मारी जाती रहेंगी? दहेज-हत्या के मामलों में साक्ष्य मिटा दिए जाते हैं, फोरेंसिक तोड़-मरोड़ दिए जाते हैं, ऐसी जांच अप्रशिक्षित सफाई कर्मचारी ही करते हैं, क्योंकि ऐसी शव-परीक्षा करने और चीर-फाड़ करने से डॉक्टर इंकार कर देते हैं। अंतत: दहेज निषेध अधिनियम के तहत दुरुपयोग के जो आरोप लगाए जाते हैं, वे अंतत: थकने लगते हैं और अपराधियों की स्थिति को पुख्ता करते हैं। नतीजतन दहेज-हत्या की शिकार बेटी को इंसाफ या तो मिलता नहीं अथवा बहुत देर से मिलता है। जरा सोचिए, निक्की वाले मामले में जो प्राथमिकी दर्ज की गई है, उसमें दहेज निषेध कानून की धारा 80 बीएनएस को लागू ही नहीं किया गया है। अन्याय की शुरुआत बुनियाद से ही होती है। क्या हमारी व्यवस्था ही नारी जाति से द्वेष करती है? अथवा पुलिस की मिलीभगत होती है? ईमानदारी से कम कोई और रास्ता नहीं है। ऐसे मामलों में कड़ी जांच की जाए और डॉक्टरों को जांच के लिए बाध्य किया जाए और यथाशीघ्र सजा सुनाई जाए।

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध?

अमेरिकी 'शोर' पर भारी पड़ेगी भारत की 'शांत' कूटनीति

युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज़ संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ़ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं।

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज़ यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज़्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख़ ज़्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन, दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और 'यह युद्ध का युग नहीं है' की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं।

भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की 'शांत डिप्लोमेसी', जो न तो शोर मचाती है और न ही श्रेय लेने की होड़ में रहती है।

यह महज़ संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले मोदी-जेलेंस्की मुलाकात की भी संभावना है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्ख़ियों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक ज़मीन तैयार कर रहे हैं।

देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है—डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नज़दीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी 'विश्वसनीय संवाद'की संभावना को कमज़ोर करते हैं।

दूसरी ओर, भारत का रुख शुरुआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार 'संवाद और कूटनीति' की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की "Special and Privileged Strategic Partnership" दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने ज़ेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। ज़ेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे 'सच्चा मध्यस्थ' बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा ज़रूरतें, आर्थिक क्षमता और भू-राजनीतिक स्थिति उसे युद्धविराम के बाद की 'शांति संरचना' में भी महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही मोदी की 'लीडर-टू-लीडर' डिप्लोमेसी— चाहे ट्रंप हों, पुतिन हों या ज़ेलेंस्की, व्यक्तिगत विश्वास कायम करती है, जो युद्ध सुलझाने में निर्णायक होता है।

बहरहाल, जहाँ ट्रंप की भूमिका अमेरिका की सामरिक अनिवार्यताओं और नाटो की सीमाओं में बंधी है, वहीं मोदी एक 'तटस्थ लेकिन प्रभावशाली' नेता के रूप में उभरे हैं। यदि ज़ेलेंस्की की भारत यात्रा होती है और वर्ष के अंत में पुतिन भी नई दिल्ली आते हैं, तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा मंच बन सकता है जहाँ दोनों नेताओं का संवाद संभव हो। इसलिए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में डोनाल्ड ट्रंप से कहीं अधिक नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक और ऐतिहासिक साबित हो सकती है। **-नीरज कुमार दुबे**

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि पुरुषों में सिंह रूप दोनों भाई (राम-लक्ष्मण) मुनि का भय हरने के लिए प्रसन्न होकर चले। वे कृपा के समुद्र, धीर बुद्धि और सम्पूर्ण विश्व के कारण के भी कारण हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अरुन नयन उर बाहु बिसाला। नील जलज तनु स्याम तमाला॥
कटि पट पीत कसें बर भाथा। रुचिर चाप सायक दुहुँ हाथा॥

भगवान के लाल नेत्र हैं, चौड़ी छाती और विशाल भुजाएँ हैं, नील कमल और तमाल के वृक्ष की तरह श्याम शरीर है, कमर में पीताम्बर (पहने) और सुंदर तरकस कसे हुए हैं। दोनों हाथों में (क्रमश:) सुंदर धनुष और बाण हैं॥

स्याम गौर सुंदर दोउ भाई। बिस्वामित्र महानिधि पाई॥
प्रभु ब्रह्मन्यदेव मैं जाना। मोहि निति पिता तजेउ भगवाना॥

श्याम और गौर वर्ण के दोनों भाई परम सुंदर हैं। विश्वामित्रजी को महान निधि प्राप्त हो गई। (वे सोचने लगे-) मैं जान गया कि प्रभु ब्रह्मण्यदेव (ब्राह्मणों के भक्त) हैं। मेरे लिए भगवान ने अपने पिता को भी छोड़ दिया॥

चले जात मुनि दीन्हि देखाई। सुनि ताड़का क्रोध करि धाई॥
एकहिं बान प्रान हरि लीन्हा। दीन जानि तेहि निज पद दीन्हा॥

मार्ग में चले जाते हुए मुनि ने ताड़का को दिखलाया। शब्द सुनते ही वह क्रोध करके दौड़ी। श्री रामजी ने एक ही बाण से उसके प्राण हर लिए और दीन जानकर उसको निजपद (अपना दिव्य स्वरूप) दिया॥ (क्रमश:..)

सिंधिया को लेकर आमने-सामने आ गए दिग्विजय और कमलनाथ

कांग्रेस पार्टी में ऐसे नेताओं की भरमार है जो अपने बयानों के जरिए पार्टी आलाकमान खासकर गांधी परिवार के लिए असहज स्थिति पैदा करते रहते हैं। कांग्रेस के दो बड़े नेताओं ने एक बार फिर से पार्टी के सामने ऐसी ही असहज स्थिति पैदा कर दी है और सबसे बड़ी बात है कि ये दोनों पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और दोनों ही अलग-अलग दौर में मध्य प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं।

विडंबना देखिए कि, एक तरफ राहुल गांधी बीजेपी के सबसे मजबूत गढ़ माने जाने वाले राज्यों में से एक मध्य प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत बनाने के अभियान में जुटे हुए हैं। इसी मिशन के तहत कई बार मध्य प्रदेश का दौरा कर चुके राहुल गांधी ने रविवार, 24 अगस्त को मध्यप्रदेश के नवनियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्षों की एक बड़ी बैठक दिल्ली में बुलाई थी। पार्टी द्वारा चलाए जा रहे 'संगठन सृजन अभियान' के तहत आयोजित की गई इस बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राष्ट्रीय संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और मध्य प्रदेश में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार सहित पार्टी के कई अन्य बड़े नेताओं ने भी संबोधित किया। लेकिन मध्य प्रदेश से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक, इस बैठक से ज्यादा चर्चा दिग्विजय बनाम कमलनाथ की लड़ाई की हो रही है।

मध्य प्रदेश में पांच वर्ष पहले कमलनाथ सरकार के गिरने के लिए उन्हीं को जिम्मेदार बताते हुए दिग्विजय सिंह ने खुलासा किया कि इसके लिए स्वयं कमलनाथ ही जिम्मेदार थे। एक पॉडकास्ट में बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने पांच वर्ष पहले के घटनाक्रम का खुलासा करते हुए कहा कि, उस समय विचारधारा का विवाद नहीं था बल्कि उस समय के मुख्यमंत्री कमलनाथ लगातार ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपेक्षा कर रहे थे, इसलिए कांग्रेस की सरकार उस समय गिर गई थी। दिग्विजय सिंह ने अपने पॉडकास्ट में कहा कि वर्ष 2020 की शुरुआत में कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच कुछ मतभेद पैदा हो गए थे। उन्होंने इसे सुलझाने के लिए देश के एक बड़े उद्योगपति से सहयोग मांगा। उस बड़े उद्योगपति ने तीनों नेताओं (कमलनाथ, ज्योतिरादित्य सिंधिया और उन्हें) अपने घर पर आमंत्रित किया। उस बैठक में दिग्विजय और सिंधिया ने कमलनाथ को एक साझा विशलिस्ट दी थी, जिसमें ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के कुछ अटके हुए कामों का जिक्र था और इस पर जल्द सरकार की तरफ से काम होने की उम्मीद थी। लेकिन कमलनाथ ने उन मुद्दों पर काम नहीं किया। अगर ग्वालियर-चंबल से जुड़ी ज्योतिरादित्य सिंधिया की मांगें पूरी कर दी जाती और कमलनाथ लगातार सिंधिया की उपेक्षा नहीं करते तो उस समय कांग्रेस की सरकार नहीं गिरती।

दिग्विजय सिंह के इन आरोपों पर पलटवार करते हुए कमलनाथ ने उनकी सरकार गिरने का ठीकरा दिग्विजय सिंह पर ही फोड़ दिया। कमलनाथ ने दिग्विजय सिंह के आरोपों का जवाब देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मध्य प्रदेश में 2020 में मेरे नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार गिरने को लेकर हाल ही में कुछ बयानबाजी की गई है। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि पुरानी बातें उखाड़ने से कोई फ़ायदा नहीं। लेकिन यह सच है कि व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा के अलावा ज्योतिरादित्य सिंधिया को यह लगता था कि सरकार दिग्विजय सिंह चला रहे हैं। इसी नाराज़गी में उन्होंने कांग्रेस के विधायकों को तोड़ा और हमारी सरकार गिरायी।'

आपको बता दें कि, दिग्विजय सिंह वर्ष 1993 से लेकर 2003 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहें। 2003 के विधानसभा चुनाव में उन्हें हराकर उमा भारती राज्य की मुख्यमंत्री बनीं। उमा भारती के बाद बीजेपी ने कुछ समय के लिए बाबूलाल गौर को सीएम बनाया लेकिन 2008 में राज्य की कमान शिवराज सिंह को थमा दी गई। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में भी राज्य में बीजेपी को ही जीत हासिल हुई लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में मामला गड़बड़ हो गया। मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 230 सदस्यों वाली विधानसभा में 41.02 प्रतिशत मत के साथ सिर्फ 109 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस ने उस चुनाव में भाजपा से थोड़ा कम यानी 40.89 प्रतिशत वोट हासिल करने के बावजूद भाजपा से 5 सीटें ज्यादा यानी 114 पर जीत हासिल की थी। कांग्रेस ने उस समय सपा, बसपा और निर्दलीय विधायकों के सहयोग से सरकार बनाई और कमलनाथ राज्य के मुख्यमंत्री बने। लेकिन 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के खेमे के विधायकों के इस्तीफे के कारण कमलनाथ सरकार अल्पमत में आ गई और इस तरह से राज्य की सत्ता से कांग्रेस की विदाई हो गई। वर्तमान में ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री हैं और राज्य में बीजेपी की सरकार हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत को दिग्विजय सिंह द्वारा पांच वर्ष बाद याद करने और उस पर कमलनाथ का तुरंत तीखा पलटवार आना, यह बताने के लिए काफी है कि दोनों नेताओं के बीच कोई गहरा मतभेद उभर गया है और मध्य प्रदेश कांग्रेस में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल तो यही पूछा जा रहा है कि क्या राहुल गांधी मध्य प्रदेश के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के बीच शुरू हुई इस लड़ाई को रोक पाएंगे? - **संतोष कुमार पाठक**

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
धन दायक समय। कुटुंब में वृद्धि होगी। अनेकों तरह की परेशानियां सॉल्व होंगी इन दिनों। स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
एक अलग तेज। एक अलग आकर्षण आ गया है आपमें। जो चाह रहे हैं वो हो रहा है और जैसा सोच रहे हैं।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
खर्च की अधिकता कर्ज की स्थिति ला सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम। प्रेम, संतान की स्थिति दूरी वाली।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
आर्थिक लाभ होगा। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य पहले से काफी बेहतर होगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक स्थिति बहुत उतरोतर वृद्धि करेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितयां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी-चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
रोगग्रस्त हो सकते हैं। छोटी-मोटी परेशानियां परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
प्रेम की स्थिति बहुत अच्छी है। संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। जीवन में बुद्धि के कारण बहुत आगे बढ़ रहे हैं आप।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

सम्राट मिहिर भोज जयंती हर्षोल्लास से मनाई

दिल्ली (चेतना मंच)। दिल्ली के कोटला स्थित गुर्जर भवन में

गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ, यशवीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने सम्राट मिहिर भोज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी शौर्य गाथा का व्याख्यान किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. यशवीर शर्मा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि महापुरुष किसी एक जाति या बिरादरी के नहीं होते वे पूरे समाज और राष्ट्र की धरोहर होते हैं। सम्राट मिहिर भोज ऐसा ही एक नाम है, जिन्होंने 9 वीं सदी में भारत की सीमाओं की रक्षा की और विदेशी आक्रमणकारियों को परास्त कर देश की संस्कृति और अस्मिता को सुरक्षित रखा।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा गौतमबुद्धनगर के जिला अध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि सम्राट मिहिर भोज का गौरवशाली साम्राज्य कश्मीर से गुजरात और बंगाल से अरब सागर तक फैला हुआ था। उन्होंने आक्रमणकारियों को हरा कर देश की कला व संस्कृति का संरक्षण किया। उन्होंने अपने शासनकाल में देश की प्रजा को सुरक्षा और समृद्धि दी अरब ग्रंथों तक में उन्हें महान हिन्दू सम्राट कहा गया है। उनका शासन भारतीय एकता का प्रतीक था। अनेक भाषाओं, संस्कृतियों और धर्मों को साथ लेकर उन्होंने मजबूत भारत की नींव रखी।

महासभा के पदाधिकारी हरीश चंद भाटी ने कहा कि उनकी जयंती पर एकता का पर्व हम सभी 36 बिरादरी को मनाना चाहिए और बच्चों और युवाओं को इतिहास से परिचित करना चाहिए जिससे वह सम्राट मिहिर भोज के गौरव को पूरी दुनिया तक पहुँचाएं।

इस दौरान हरिश्चंद्र भाटी, राजपाल सिंह कसाना, दिनेश गुर्जर, सुभाष चौधरी, जिले राम, रामकेश चपराना, बाबू सिंह आर्य, गजेंद्र रेक्सवाल, विपिन प्रधान, पवन नागर, संजय भाटी, रवि अवाना, विकल मावी, ज्ञानचंद कसाना, मंत्र राम नागर, अनिल गुर्जर, विजय सिंह, नरेंद्र कसाना, शिवकुमार प्रधान, सोनू कुमार अन्य सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

नोएडा मीडिया क्लब में गूंजा सुंदरकांड का पाठ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा मीडिया क्लब में सुंदरकांड का पाठ बड़े ही श्रद्धाभाव से आयोजित किया गया। क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी और महासचिव जयप्रकाश सिंह के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में प्रभु श्रीराम और हनुमानजी की आराधना करते हुए रामचरितमानस के सुंदरकांड का पाठ किया गया।

पंडितों द्वारा किए गए इस पाठ में प्रत्येक प्रसंग का वर्णन भक्तिमय ढंग से किया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक और भक्ति रस से सराबोर हो गया। आयोजन में कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता चन्दगीराम, अमित त्यागी, सुमित्रा हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. वीके गुप्ता, सपा नेता बबलू चौहान, एवं जिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय राणा समेत अनेक गणमान्य लोग और मीडिया क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

इस अवसर पर युवा शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील शर्मा और उनकी पूरी टीम ने भी विशेष सहयोग किया। पाठ के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने हनुमानजी से सुख-समृद्धि व प्रगति की कामना की।

नोएडा मीडिया क्लब का यह आयोजन भक्ति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम बन गया।

श्री मदभागवत कथा का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा में होने वाली एकल अभियान के अंतर्गत एकल श्रीहरि वनवासी फाउंडेशन के ग्रेटर नोएडा विभाग द्वारा श्री मद भागवत कथा का आयोजन 28 अगस्त 2025 से 3 सितम्बर 2025 तक रोजाना शाम 4 बजे से शाम 7 बजे तक श्रीपल महादेव मंदिर डेल्टा 1 में किया जाएगा।

श्रीमद भागवत कथा का वर्णन वनवासी व्यास कथाकार सुश्री साध्वी प्रीति पाराशर जी के मुखारबिंद से होगा । जिसमे सभी शहरवासी सादर आमंत्रित हैं ।

प्रेस वार्ता में पूनम अग्रवाल, सरोज तोमर, बबीता बंसल , ममता सिंह , कुलदीप शर्मा , ओमप्रकाश अग्रवाल, मुकुल गोयल , प्रमोद चौहान , कपिल वशिष्ट आदि उपस्थित रहे।

गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज की जयंती पर जन चेतना रैली

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रवीर नागर के नेतृत्व में गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी की जयंती पर जन चेतना रैली का भव्य आयोजन किया गया।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी ने बताया चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी की जयंती पर बादलपुर गेस्ट हाउस से दादरी मिहिर भोज डिग्री कॉलेज तक जन चेतना रैली का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र समाज के बहुत ही सम्मानित पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर अपने काफिले के साथ बादलपुर पहुंचे, नेपाल कसाना जी भी अपने समर्थको के साथ पहुंचे, क्षेत्र के बहुत ही वरिष्ठ समाजसेवी वरिष्ठ नेता श्री फकीरचंद नागर भी अपने सैकड़ो समर्थको के साथ बादलपुर गेस्ट हाउस पहुंचे, गुर्जर विद्यसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री राधा चरण भाटी

जी सैकड़ो समर्थको के साथ जन चेतना रैली मैं पहुंचे, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी. एन. सिंह, प्रदेश संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम सिंह, प्रदेश महामंत्री चैनपाल प्रधान, महेंद्र नागर, प्रदेश मंत्री प्रदीप तोंग ?, क्षेत्रीय महामंत्री अरविंद भाटी, संजीव नागर, गौतम बुध नगर के जिला अध्यक्ष कैप्टन पंचशील गुर्जर, नोएडा महानगर के अध्यक्ष सुशील अवाना, युवा जिला अध्यक्ष गौतम बुध नगर शिवा भाटी, गौतम बुध नगर के महामंत्री सचिन नागर, उपाध्यक्ष सचिन बैसोया, सुभाष नागर, कपिल चपराना, जीते चपराना, देवेंद्र टाइगर, एवं संगठन के समर्पित कार्यकर्ता भी सैकड़ो की संख्या में गाड़ियों का काफिला लेकर के बादलपुर गेस्ट हाउस जन चेतना रैली में शिरकत की।

वही क्षेत्र के बहुत ही सम्मानित मास्टर मौजीराम नागर दुजाना, समाज के बहुत ही जुझारू युवा नेता पवन नागर दुजाना, डॉक्टर विकास जतन प्रधान घरबरा, दीपक नागर सादुल्लापुर, तरुण नागर बंबावड़, संदीप नागर वैदपुरा, संजीव भाटी फरीदपुर, मुनेंद्र नागर सैनी, विजेंद्र भाटी बिस्तुली, विकास भनौता, अवनीश भाटी बिसरख, रतिपाल नागर मिलक, राजेंद्र नागर बंबावड़, वरुण नागर वैदपुरा, सोनू गुर्जर खोदना, श्याम सिंह भाटी तिलपता, अजय भाटी कैलाशपुर एवं युवा साथी सभी सैकड़ो सैकड़ो की संख्या में काफिले के साथ बादलपुर गेस्ट हाउस जन चेतना रैली में पहुंचे।

दादरी मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में बनी भव्य चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी की मूर्ति पर समस्त सम्मानित जन चेतना रैली में उपस्थित गणमान्य एवं युवाओं ने फूल माला पहनकर रैली का समापन किया।

पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर जी ने चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजा मिहिर भोज इस देश के ही नहीं सनातन धर्म के बहुत बड़े रक्षक थे उन्होंने अपने कार्यकाल में मुगलों को भारत में घुसने नहीं दिया था। फकीरचंद नागर जी ने गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी के जीवन पर कहा वह बहुत ही पराक्रमी प्रभावशाली राजा हुआ करते थे। बहुत ही वरिष्ठ समाजसेवी नेपाल कसाना जी ने बताया 1998 में गुर्जर सम्राट राजा मिहर भोज जी के नाम पर दिल्ली में एन एच 58 का नामकरण दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहब सिंह वर्मा जी से कराया था, उनका इतिहास बहुत ही गौरवशाली रहा है जो देश और दुनिया से छुपा नहीं है। गुर्जर विद्या सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी की प्रतिमा की स्थापना करने वाले मास्टर राधा चरण भाटी जी ने गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा उन्होंने 836 ई से 885 ई तक इस देश पर राज किया।

अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रवीर नागर जी ने गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज की जीवनी पर बताया उनके 49 साल के राज में जो कि उनकी राजधानी कन्नौज हुआ करती थी जो आज उत्तर प्रदेश में है और उनका इतिहास बहुत ही गौरवशाली और प्रभावशाली रहा।

सभा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुखबीर सिंह आर्य जी, चेनपाल प्रधान जी, महेंद्र प्रधान जी ने प्रकाश डालते हुए कहा देश का हर एक युवा चक्रवर्ती गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी के पद चिन्हों पर चलकर देश और धर्म को विकसित करने में अपना योगदान दें। सभा के प्रदेश संगठन महामंत्री अमरजीत चौधरी ने गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज जी के जीवन पर युवाओं से एक शपथ दिलाई कि आज हम हर युवा अपने देश और धर्म की रक्षा के लिए आगे बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और गुर्जर सम्राट राजा मिहिर भोज के पद चिन्हों पर चलकर देश की अस्मिता देश की बहन बेटियों की रक्षा करने का काम करेंगे।

जन चेतना रैली का बादलपुर गेस्ट हाउस से और दादरी मिहिर भोज डिग्री कालिज तक कई स्थानों पर फूलों की वर्षा एवं मालाओ से भव्य स्वागत किया गया। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री चंद्रवीर नागर जी ने क्षेत्र से आए हुए समस्त सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों अतिथियों एवं जोश से भरे हुए इस क्षेत्र के युवाओं का दिल की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए उनको बधाई दी जिन्होंने इस कार्यक्रम में हजारों की संख्या में गाड़ियों और बाइकों का काफिला लाने में योगदान दिया।

पृष्ठ एक के शेष....

मासूम बेटे को जहर....

मौके पर छानबीन की। एसपी और सीओ ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कारोबारी के फोन में सुसाइड नोट मिला है, जिसमें आर्थिक तंगी की बात लिखी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। कारोबारी सचिन ग्रोवर का मोहनगंज में पानीपत हैंडलूम नाम से शोरूम है। वह दुर्गा एन्कलेव कॉलोनी में अपने मकान में परिवार के साथ रहते थे। दो मंजिला मकान में वह दूसरी मंजिल पर रहते थे। इनके दो भाई रोहित और मोहित भी इसी मकान में रहते हैं। बुधवार को उनके बड़े भाई मोहित के बेटे का नामकरण था। इसलिए सचिन की मां सीमा व भाई-भाभी जल्दी उठ गए। मां सीमा ने बताया कि सचिन सुबह आठ बजे तक नीचे नहीं आया तो उन लोगों ने आवाज दी। कोई प्रतिक्रिया नहीं आने पर वह लोग ऊपर गए। कमरे का दरवाजा खोला तो परिजन चीखने लगे।

सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स के साथ एसपी और सीओ मौके पर पहुंच गए। कमरों में छानबीन की गई। बताया गया है कि 33 पन्नों के सुसाइड नोट के फोटो मोबाइल फोन में मिले हैं। जिसमें आर्थिक तंगी और कई लोगों की देनदारी की बात लिखी है। पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

ओयो होटल की....

से बात करके बंद करा दिया। राजेंद्र कुमार के मुताबिक 18 अगस्त को उन्होंने बैंक जाकर अपने अकाउंट नंबर को ओपन कराया। अकाउंट ओपन होते ही तुरंत उनके खाते से दो बार में 91 हजार रुपए एक अकाउंट में ट्रांसफर हो गए। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर की। पुलिस का कहना है कि पीड़ति की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में साइबर सेल की भी मदद ली जा रही है।

हरौला से किशोरी....

लेकिन कोई पता नहीं चला। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरी की तलाश की जा रही है।

राहगीरों से छीनते थे ....

काउंटी सोसाइटी के पास सड़क किनारे टहल रहे एक व्यक्ति से भी मोबाइल फोन छीन लिया था। करीब डेढ़ महा पूर्व उन्होंने सेक्टर 99 के एक बंद मकान से इनवर्टर की बैटरी वह लैपटॉप भी चोरी किया था। एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों ने लूट व चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है। पकड़े गए सचिन पर 10, शेखर पर 4 तथा दशरथ पर दो मुकदमे पंजीकृत हैं।

एनकाउंटर में 25 हजार ..

डीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान दानिश पुत्र रियाजुद्दीन निवासी नई आबादी थाना दादरी के रूप में हुई। रियाजुद्दीन थाना सेक्टर 142 में दर्ज एक मुकदमे में वांछित था और उसे पर 25000 हजार रूपये का इनाम घोषित था उन्होंने बताया कि इसके पास से तमंचा कारतूस वारदात में प्रयुक्त चाकू व चोरी की बाइक बरामद हुई है।

पूछताछ के दौरान रियाजुद्दीन ने बताया कि उसकी पत्नी को अरबाज नाम का एक युवक फोन पर कॉल कर परेशान करता था। अरबाज सेक्टर 143 के चौराहे पर पंचर बनाने का काम करता था। इस बात की जानकारी मिलने पर वह तीन जुलाई को अरबाज की दुकान पर पहुंचा और उस पर चाकू से हमला कर दिया। इस दौरान अरबाज़ को बचाने आए फैजान को भी उसने चाकू मार कर घायल कर दिया। दोनों को घायल करने के बाद वह मौके से फरार हो गया था। इस संबंध में उसके खिलाफ थाना सेक्टर 142 में मुकदमा दर्ज कराया गया था इस मुकदमे में वह वांछित चल रहा था इस कारण उस पर 25000 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया था डीसीपी ने बताया कि रियाजुद्दीन पर बुलंदशहर में पांच मुकदमे पंजीकृत हैं।

सिगरेट उधार ना देने ...

के साथ दुकान पर बैठी हुई थी। पड़ोस में रहने वाले नीरज, बबलू व श्रीधर पुत्र मानक चंद उसकी दुकान पर पहुंचे। उन्होंने सिगरेट उधार देने के लिए कहा इस पर मोहनवती ने उधार देने से इनकार कर दिया। उधार देने से इनकार करने पर तीनों भाई भड़क उठे और उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी। मोहनवती ने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने इसकी शिकायत थाना बिसरख पुलिस से की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अब मुकदमा दर्ज किया है

बाइक चलाने के शौक....

करीब 3 महीने पहले नोएडा के सेक्टर 62 से चोरी किया था इसके अलावा उसने ग्राम पृथला से भी एक और बाइक चोरी की थी। पूछताछ में बाल अपचारी ने बताया कि उसे मोटरसाइकिल चलाने का शौक है अपने इसी शौक को पूरा करने के लिए वह बाइक चोरी करता है बाइक चोरी करने के बाद उन्हें चलाकर वह छुपाकर खड़ा कर देता है।

थाना प्रभारी में बताया कि बाल अपचारी की निशानदेही पर चोरी की दूसरी बाइक भी बरामद की गई। बालूपचारिक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे संरक्षण में लिया गया है।

जीएसटी चोरी में....

लेकिन इन्होंने हेराफेरी कर सरकार को केवल 18 प्रतिशत जीएसटी दिया उन्होंने बताया कि कंपनी में काम करने वाले मैनेजिंग डायरेक्टर विनय कुमार इस पूरी जालसाजी का मास्टरमाइंड है। उन्होंने बताया कि कंपनी वीडियो डिस्प्ले यूनिट का पेमेंट कैश में लेकर उसके डॉक्यूमेंट कम पैसों पर बनाते थे जिसके जरिए यह लगभग 10 प्रतिशत की टैक्स चोरी करते थे। जांच में लगभग 9.50 करोड रुपए की जीएसटी चोरी की बात सामने आई है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि कंपनी ने 27 करोड़ रूपया हवाला के जरिए बाहर भेजा है इसकी जांच की जा रही है। इस मामले में विभाग ने पूरी जालसाजी के मास्टरमाइंड विनय कुमार तथा कैश करियर चीनी मूल की महिला एलएस ली को गिरफ्तार किया है इन्हें कोर्ट में पेश किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि गलत कैटेगरी में जीएसटी देकर करोड रुपए का टैक्स चोरी किया गया है। गिरफ्तार दोनों लोगों को मेरठ के जीएसटी कोर्ट में पेश किया गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

उत्तर रेलवे
टेंडर नोटिस स. इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 26.08.2025
इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.स.	निविदा स.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
1	82255009A	ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप फॉर ओफ्थल्माओलोजी (स्पेसिफिकेशन एज पर पीडीऍफ अटैच्ड)	01	17.09.25

निविदा शर्तें:- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। 2584/25
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नोएडा नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण
मुख्य प्रशासनिक भवन, सैक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, (उ.प्र.)
वेबसाइट : www.noidaauthorityonline.in
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
UPLC लखनऊ में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से निम्न जॉब संख्याओं हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं, जिन्हें निम्नानुसार तिथियों तक अपलोड किया जा सकता है एवं प्राप्त ई-निविदाओं को उनके सम्मुख दर्शायी गई तिथियों पर खोला जायेगा। निविदा सम्बन्धी समस्त विवरण व शर्तें नौएडा प्राधिकरण की वेबसाईट www.noidaauthorityonline.in एवं UPLC की वेबसाईट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाईट देखते रहें।
(क)
1. 18/व0प्र0(जल)-I)/ई0टी0/2025-26, जलापूर्ति अनुरक्षण (सैक्टर-69, ट्रान्सपोर्ट नगर के सामने प्लॉट ए-59 से ए-66 तक जल व सीवर लाईन बिछाये जाने का कार्य), नौएडा। लागत रु. 23.74 लाख।
जिन्हें दिनांक 09.09.2025 को सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 10.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।
(ख)
1. 15/व0प्र0(जल)-III)/2025-26, पंचशील बालक इन्टर कॉलेज सैक्टर-91 के अन्दर बने हुए यू0जी0आर0 में पुरानी क्षतिग्रस्त लोहे की पानी की लाईन बदलने एवं अन्य मिश्रित कार्य, नौएडा। लागत रु. 18.99 लाख।
2. 18/व0प्र0(जल)-III)/2025-26, सीवर सुदृढ़ीकरण (सैक्टर-46 में भवानी शंकर इंटर कॉलेज तक सीवर की लाईन बिछाने का कार्य), नौएडा। लागत रु. 18.33 लाख।
जिन्हें दिनांक 02.09.2025 को सायं 5.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक 03.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी।
महाप्रबंधक (जल) नौएडा
कार्यालय सैक्टर-5
स्वच्छ, हरित, सकुशल, सुरक्षित नौएडा

ब्रिटिश सेना भर्ती में खराब दांत और मुंहासे बने अड़चन

नहीं मिल रही नौकरी, सरकार के आंकड़ों ने चौंकाया

लंदन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटेन की सेना के सामने नए अभ्यर्थियों की भर्ती में खराब दांत अड़चन बन रहे है। ब्रिटिश सेना ने बड़ी संख्या में दांतों की बीमारी की वजह से भर्ती खारिज की है।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, ब्रिटिश सेना ने पिछले चार वर्षों में खराब दांतों के कारण 173 इच्छुक सैनिकों को भर्ती से मना किया है। इन उम्मीदवारों की भर्ती मसूड़ों की बीमारी और दांतों की सड़न जैसी परेशानी के कारण नहीं की गई। इससे दांतों की बीमारी सेना भर्ती में बड़ी बाधा के तौर पर सामने आई है। वहीं मुहासों की वजह से भी भर्ती खारिज हुई हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, साल 2020 और 2024 के बीच सेना ने 47,000 से अधिक आवेदकों को चिकित्सा आधार पर भर्ती करने से मना कर दिया। इनमें एक बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को दंत समस्या के चलते अयोग्य घोषित किया गया।

आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि इन चार साल में करीब 26,000 सेवारत कर्मियों को दांतों के इलाज की जरूरत पड़ी।

दंत समस्या, युद्ध में लगी चोटों से अधिक

फ्री प्रेस जनरल के मुताबिक, ब्रिटिश डेंटल एसोसिएशन के प्रवक्ता ने बताया कि अफगानिस्तान और इराक में युद्ध में लगी चोटों के मुकाबले में दांतों की समस्या सैनिकों के सामने बड़ी चुनौती बनी है।

कुछ मामलों में दांतों की समस्या इतनी बढ़ी कि बीमार सैनिकों को हेलीकॉप्टरों के जरिए दूरस्थ ठिकानों से कैंप बैस्टियन तक पहुंचाना पड़ा।

शोध से पता चलता है कि सेना में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों में सामान्य आबादी की तुलना में दंत समस्याओं की संभावना दोगुनी होती है।

अध्ययन में पाया गया है कि तैनात प्रत्येक 1,000 सैनिकों में से 150 को दांतों के इलाज की जरूरत होती है।

इससे परेशान होने वाले लोगों की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि भी खास रोल निभाती है। कमजोर तबके के सैनिकों को ये परेशानी ज्यादा होती है।

स्किन की समस्या भी बढ़ी

रक्षा मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि चिकित्सा आधार पर करीब आधे अस्वीकृत सैनिक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण थे। दूसरों को त्वचा संबंधी समस्याओं जैसे मुंहासे, हृदय संबंधी समस्याओं, परागज ज्वर और प्रजनन संबंधी विकारों के कारण अयोग्य घोषित किया गया। ब्रिटिश सेना की भर्ती प्रक्रिया का प्रबंधन करने वाली भर्ती फर्म कैपिटा ने कहा कि मानक बेहद कठोर हैं। इसमें पेशेवर एथलीट भी असफल हो सकते हैं।

कैपिटा ने 2023-24 के लिए 9,813 भर्तियों का लक्ष्य रखा था। पिछले साल अप्रैल से अब तक केवल 5,000 ही भर्ती कर पाई है।

सेना की वर्तमान क्षमता 71,000 है। फिलहाल यह साल 2000 के 1,00,000 कर्मियों की तुलना में काफी कम है। रक्षा सचिव जॉन हीली ने कहा है कि सैनिकों की संख्या में गिरावट को रोकने में समय लगेगा।

गाजा पर हमले से खुद के ही घर में घिरे नेतन्याहू

सड़कों पर उतरे लोग, सरकार पर बढ़ा संघर्षविराम का दबाव

यरूशलेम, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इस्राइल में गुस्सा और आक्रोश चरम पर है। मंगलवार को हजारों प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए, सड़कों पर जाम लगाया और सरकार से गाजा में फंसे बंधकों की रिहाई के लिए तुरंत युद्धविराम करने की मांग की। प्रदर्शन ऐसे समय में हुए जब गाजा में इस्राइली हमलों ने 16 फलस्तीनियों की जान ले ली। वहीं, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा कैबिनेट की बैठक बुलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि वह युद्धविराम पर चर्चा करेंगे या नहीं।

यह विरोध प्रदर्शन गाजा के मुख्य अस्पताल पर हुए घातक हमलों के अगले दिन हुआ, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें डॉक्टर, पत्रकार और मरीज शामिल थे। मृतकों में मशहूर पत्रकार मरियम डग्गा भी थीं, जिन्होंने कुछ दिन पहले भूख से तड़पते बच्चों पर रिपोर्टिंग की थी। यह हमला पूरी दुनिया में आलोचना का कारण बना और प्रेस स्वतंत्रता संगठनों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

ट्रम्प समर्थक नेता ने फायरगन से कुरान को आग लगाई

कहा- ईसाई देशों पर कब्जा कर रहे मुस्लिम, चुनाव जीती तो इस्लाम का खात्मा कर दूंगी

टेक्सास, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास की रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवार वैलेंटिना गोमेज ने सोशल मीडिया X पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वो कुरान (इस्लाम की पवित्र किताब) जलाते हुए नजर आ रही हैं। वायरल वीडियो में वैलेंटिना कुरान को फायर गन से आग लगाते हुए कहती है, 'मैं टेक्सास में इस्लाम का खात्मा कर दूंगी, हे ईश्वर, मेरी मदद करो। मुसलमान, ईसाई देशों पर कब्जा करने के लिए बलात्कार और हत्याएं कर रहे हैं।'

वैलेंटिना ने लोगों से उन्हें वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा- मुझे संसद तक पहुंचने में मदद करो, ताकि तुम्हें कभी भी मुसलमानों के फेंके गए पत्थरों का सामना नहीं करना पड़े।' वो 2026 में टेक्सास के 31वें कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहीं हैं।

वैलेंटिना ने दिसंबर, 2924 में न्यूयॉर्क में डमी को गोली मारने का नाटक भी किया था। जिसे उन्होंने अप्रवासी के प्रतिक के तौर पर रखा था। इसके साथ ही अमेरिकियों के खिलाफ हिंसक अपराध करने वाले प्रवासियों को सार्वजनिक रूप से फांसी देने की मांग की थी।

भड़काऊ बयानों के कारण उनके वीडियो हटा दिया गया और उन्हें इंस्टाग्राम से डिलीट कर दिया गया था।

इस पर वैलेंटिना ने कहा था कि उनके वीडियो पर प्रतिबंध और उनके अकाउंट को इनएक्टिव करना सभी को दिखाता है कि वे सत्ता के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं, क्योंकि वे जैसा देखती हूं वैसा ही कहती है। इसी समय उन्होंने एक वीडियो में एलजीबीटीक्यू+ किताबों को जलाने का वीडियो भी शेयर किया था। इसको लेकर उनका दावा है कि ये किताबें बच्चों पर बुरा असर डाल रही हैं।

हालांकि, उनकी ये हरकतें वोटरों का समर्थन नहीं जुटा सकीं और वह रिपब्लिकन प्राइमरी में केवल 7.4% वोट हासिल कर छठे स्थान पर रहीं थी।

अपनी चुनावी हार के बावजूद, गोमेज सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं, जहां वे राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार जाहिर करती रहती हैं।

यूनुस बोले- बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों को पालना मुश्किल

देश की इकोनॉमी पर दबाव बढ़ रहा, म्यांमार भेजने के लिए दुनिया से मदद मांगी

ढाका, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को कहा कि देश में रोहिंग्या समुदाय के लोगों को पालना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा देश में 13 लाख से ज्यादा रोहिंग्या हैं।

यूनुस ने कहा- यह बांग्लादेश के साथ दुनिया के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। दुनिया को इस मुद्दे पर एक साथ आना चाहिए और रोहिंग्या मुस्लिमों को उनके घर वापस पहुंचाने में मदद करना चाहिए। म्यांमार में अगस्त 2017 से हो रही हिंसा के बाद रोहिंग्या समुदाय के लोगों ने देश छोड़ दिया था। इसके बाद वे भागकर कई देशों में जा बसे थे। सबसे ज्यादा लोग बांग्लादेश पहुंचे थे। तब शेख हसीना सरकार ने लाखों रोहिंग्या लोगों को शरण दी थी।

इस घटना के 8वें सालगिरह पर युनूस ने रोहिंग्याओं की घर वापसी के लिए 7 प्वाइंट का एक रोडमैप भी जारी किया। उन्होंने कहा कि शरणार्थियों के कारण बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर दबाव बढ़ गया है।

बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में 8 सालों से रह रहे रोहिग्या मुसलमानों ने 'रोहिंग्या नरसंहार स्मृति दिवस' मनाया । इस दौरान शरणार्थियों के हाथों में घर वापसी की तख्तियां थी। जिसपर लिखा था- नो मोर रिफ्यूजी लाइफ (शरणार्थी जीवन अब और नहीं)। इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि और डिप्लोमैट्स ने हिस्सा लिया।

25 अगस्त 2017 को बांग्लादेश आए ये शरणार्थी

म्यांमार के रखाइल प्रांत में अराकान सेना के दमन से बचने के लिए रोहिंग्या मुसलमान 25 अगस्त 2017 बांग्लादेश के भाग कर आए थे। इन्हें शेख हसीना की तत्कालीन सरकार ने कॉक्स बाजार में शरण दी थी।

उस समय करीब 70 हजार रोहिंग्या बांग्लादेश आए थे। वहीं 3 लाख से अधिक शरणार्थी पहले से ही बांग्लादेश में रह रहे थे। वर्तमान में कॉक्स बाजार में दुनिया का सबसे बड़ा शरणार्थी शिविर है।

रोहिंग्या मुस्लिम प्रमुख रूप से म्यांमार के अराकान प्रांत में बसने वाले अल्पसंख्यक हैं। इन्हें सदियों पहले अराकान के मुगल शासकों ने यहां बसाया था।

साल 1785 में बर्मा के बौद्ध लोगों ने देश के दक्षिणी हिस्से अराकान पर कब्जा कर लिया था।

पाकिस्तान में बाढ़ ने मचाई तबाही

भारत के रावी-सतलुज में पानी छोड़ने से सैकड़ों गांव जलमग्न, 1,50,000 को किया गया रेस्क्यू

इस्लामाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और पीओके समेत बड़े इलाके में बाढ़ भयावह रूप लेती जा रही है। लगातार भारी बारिश और भारत से नदियों में छोड़ गए पानी ने पाकिस्तान सरकार की मुश्किल बढ़ा दी है। भारत से सतलुज और रावी नदी में पानी छोड़े जाने के बाद पाकिस्तान के आपदा प्रबंधन एजेंसी (एनडीएमए) ने बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

इसके बाद राहतकर्मियों ने करीब 1,50,000 लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में भेजा है। भारत की ओर से पाकिस्तान को पानी छोड़े जाने की जानकारी दे दी गई थी, इससे स्थानीय प्रशासन लोगों को निकालने के काम में जुट गया। भारत के माधोपुर हेडवर्क्स से रावी नदी में पानी का प्रवाह बढ़ गया है। सतलुज में छोड़े गए पानी ने दक्षिणी पंजाब के कुछ हिस्सों को जलमग्न कर दिया है।

ब्रिटिश सैनिकों की लापरवाही से जंगल में लगी थी आग

मुआवजे के एलान के बाद भी स्थानीय लोगों में नाराजगी

नैरोबी, 27 अगस्त (एजेंसियां)। केन्या में ब्रिटिश सेना द्वारा हुई बड़ी जंगल की आग को लेकर ऐतिहासिक फैसला आया है। ब्रिटेन की सरकार ने पहली बार स्थानीय लोगों को मुआवजा देने पर सहमति जताई है। सरकार 2.9 मिलियन पाउंड (करीब 3.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का भुगतान करेगी। यह भुगतान 2021 में ब्रिटिश सैनिकों की लापरवाही से लगी आग के कारण हुआ नुकसान भरने के लिए किया जा रहा है। हालांकि इस फैसले के बावजूद मुआवजे की रकम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस आग ने केन्या के लोलेडाइगा हिल्स में करीब 12,000 एकड़ जमीन को तबाह कर दिया था। मामले में 7,700 स्थानीय लोग और एक पर्यावरण संगठन ने सामूहिक याचिका दायर की थी। कोर्ट को बताया गया कि आग सैनिक के केरोसिन स्टोव से गलती से लगी थी। यह आग दो हफ्ते तक चलती रही, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई और कई जानवर मारे गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग से निकले जहरीले धुएं ने कई लोगों की सेहत बिगाड़ दी, खासकर सांस और आंखों से जुड़ी बीमारियां हुईं। विशेषज्ञों ने बताया कि इस नुकसान की भरपाई में 30 से 50 साल तक लग सकते हैं।

ब्रिटिश सरकार ने शुरुआत में कहा था कि उसे केन्या की अदालतों में ट्रायल से छूट मिली हुई है। लेकिन हाई कोर्ट की जज कोसी बोर ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया कि जब ब्रिटेन ने रक्षा समझौते के तहत केन्या के साथ करार किया था, तब उसे स्थानीय अदालतों में छूट खत्म हो गई थी। यही वजह है कि पहली बार ब्रिटिश सेना के खिलाफ केन्या की अदालत में मामला चला और समझौते के तहत भुगतान तय हुआ। स्थानीय लोगों ने इसे भविष्य के लिए नजीर बताया है, हालांकि कई पीड़ितों ने कम मुआवजे पर निराशा जताई।

कई स्थानीय लोगों को इस मुआवजे के तहत केवल 129 पाउंड (करीब 22,500 केन्याई शिलिंग) दिए गए। जबकि उन्होंने 575 मिलियन पाउंड का दावा किया था। प्रभावित ग्रामीण चार्ल्स नडुंगू ने कहा कि मैं आग बुझाने में मदद कर रहा था और सबसे ज्यादा नुकसान भी मुझे हुआ। लेकिन इतना कम मुआवजा मिलना बेहद चौंकाने वाला है। स्थानीय लोग अब पारदर्शिता और न्याय की मांग करते हुए प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं।

इस बीच ब्रिटिश सेना पर अन्य गंभीर आरोप भी लगे हैं। हाल ही में रिपोर्ट आई कि सैनिक केन्या के नान्युकी इलाके में यौन आचरण नियमों का उल्लंघन करते हुए वेश्यावृत्ति को बढ़ावा दे रहे हैं। ब्रिटेन की रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया कि सेना की ट्रेनिंग और रोक-टोक के बावजूद ऐसे मामले जारी हैं। इसके अलावा ब्रिटिश कोर्ट ने हाल ही में आदेश दिया है कि उन 11 सैनिकों की जानकारी साझा की जाए, जिन पर केन्याई महिलाओं के साथ संबंध बनाने और बच्चों के पिता बनने के आरोप हैं।

ट्रम्प ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को हटाया

घर खरीदने में फ्रॉड के आरोप लगे थे, कुक बोलीं- सही जानकारी जुटाकर जवाब दूंगी

वॉशिंगटन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को उनके पद से हटा दिया है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इसकी जानकारी दी। लिसा कुक को 2022 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था।

उन्होंने कहा- लिसा कुक को तत्काल प्रभाव से फेडरल रिजर्व के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स से हटाया जा रहा है। इस कदम ने अमेरिकी केंद्रीय बैंक यानी फेडरल रिजर्व की स्वतंत्रता को लेकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। माना जा रहा है कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा सकता है।

हाल ही में उनपर मॉर्गेज फ्रॉड (गृह ऋण में धोखाधड़ी) का आरोप लगा था। ये आरोप फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी के डायरेक्टर बिल पुल्टे ने लगाए, जो ट्रम्प के कट्टर समर्थक और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के आलोचक माने जाते हैं।

बिल पुल्टे का आरोप है कि जून 2021 में लिसा कुक ने मिशिगन में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी और 15 साल के मॉर्गेज एग्रीमेंट में इसे अपना प्रिंसिपल रेजिडेंस यानी मुख्य घर बताया था। इसके एक महीने बाद जुलाई 2021 में कुक ने जॉर्जिया के अटलांटा में एक और प्रॉपर्टी खरीदी और 30 साल के एग्रीमेंट में इसे भी अपना मुख्य घर बताया था। प्राइमरी रेजिडेंस के लिए मिलने वाले लोन में ब्याज दरें कम होती हैं, और इस तरह के

दावे से फायदा उठाने को मॉर्गेज फ्रॉड माना जा सकता है।

पुल्टे ने कहा- 'जो महिला अपनी ब्याज बचाने के लिए झूठ बोल रही है, वह ब्याज दरों को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी कैसे ले सकती है?' पुल्टे ने 20 अगस्त को इस मामले को लेकर डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस (डीओजे) को एक क्रिमिनल रेफरल भेजा था। इसके बाद जस्टिस डिपार्टमेंट के वकील एड मार्टिन ने फेड चेयर जेरोम पॉवेल को पत्र लिखकर लिसा कुक को तुरंत हटाने की मांग की।

ट्रम्प ने भी इस मुद्दे को तूल देते हुए पहले कुक से इस्तीफा मांगा और फिर 22 अगस्त को ऐलान किया कि अगर कुक इस्तीफा नहीं देतीं, तो वह उन्हें बर्खास्त कर देंगे। आखिरकार, 26 अगस्त को ट्रम्प ने अपने वादे को अमल में लाते हुए कुक को हटा दिया।

कुक ने कहा था- मुझे पता चला कि एफएचएफए डायरेक्टर ने मेरे 4 साल पुराने मॉर्गेज एप्लिकेशन के आधार पर क्रिमिनल रेफरल बनाया है, जो कि मेरे फेड में शामिल होने से पहले का है।

प्रॉपर्टी टैक्स वसूली पर निगम होगा सख्त

रायपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। रायपुर निगम ने संपत्तिकर वसूली में तेजी लाने के लिए बड़ा एक्शन प्लान तैयार किया है। अपर आयुक्त यू.एस. अग्रवाल ने निर्देश दिया कि बड़े बकायादारों के खिलाफ वसूली और कुर्की की कार्रवाई तुरंत शुरू की जाए। वही हर हफ्ते रिपोर्ट पेश की जाए। उन्होंने कहा कि, अब समय पर संपत्तिकर जमा न करने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बकायादारों को रोजाना 100 डिमांड बिल वितरण किया जाए। 31 अक्टूबर 2025 तक सभी वार्डों में 100% डिमांड बिल वितरण पूरा करने के के लिए कहा गया है ताकि आगे नोटिस और कार्रवाई में देरी न हो। अग्रवाल ने कहा कि सभी जोन कार्यालय रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ बैठक करें और सोसाइटी को संपत्तिकर जमा करने से जुड़ी जानकारी दें।

पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को कोर्ट से मिली जमानत

भ्रष्टाचार के आरोप में हुई थी गिरफ्तारी

कोलंबो, 27 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को मंगलवार को एक अदालत ने जमानत दे दी। उन्हें बीते शुक्रवार पुलिस की आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया था। बता दें कि बीते शुक्रवार 22 अगस्त की रात रानिल विक्रमसिंघे को गिरफ्तार कर कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें 26 अगस्त तक रिमांड पर जेल भेज दिया। इसके बाद उन्हें राजधानी कोलंबो की मैगजीन रिमांड जेल में रखा गया।

गिरफ्तारी के बाद पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की तबीयत बिगड़ गई। पहले उन्हें जेल अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें कोलंबो नेशनल हॉस्पिटल के आईसीयू में शिफ्ट किया गया। मामले में बताया गया कि उन्हें डिहाइड्रेशन की समस्या हो गई थी। मंगलवार को जब अदालत में सुनवाई हुई तो रानिल विक्रमसिंघे अस्पताल के आईसीयू से ही जूम के जरिए कार्यवाही में शामिल हुए। बता दें कि अदालत की कार्यवाही कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट निलुपुली लंकापुरा की अध्यक्षता में हुई। रानिल विक्रमसिंघे पर आरोप है कि उन्होंने 16.6 मिलियन श्रीलंकाई रुपये (एलकेआर) यानी करोड़ों रुपये सरकारी फंड से खर्च किए। यह रकम उन्होंने 2023 में लंदन यात्रा पर खर्च की थी। इस दौरान उन्होंने अपनी पत्नी मैत्री के विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया। आरोप है कि यह निजी यात्रा थी और इसे सरकारी दौरे के नाम पर फंड किया गया।

पूर्व श्रीलंकाई राष्ट्रपति रानिलि विक्रमसिंघे ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि यह यात्रा पूरी तरह आधिकारिक दौरा था, क्योंकि उन्हें यह निमंत्रण श्रीलंका के राष्ट्रपति होने के नाते मिला था, न कि निजी तौर पर। भारी सुरक्षा व्यवस्था और अदालत परिसर के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच, अदालत ने रानिल विक्रमसिंघे को जमानत दे दी।

लिथुआनिया को मिला नया प्रधानमंत्री

पूर्व मजदूर संघ नेता इंगा रुगिनिएने संभालेंगी सत्ता

विलनियस, 27 अगस्त (एजेंसियां)। लिथुआनिया की संसद ने मंगलवार को एक बड़ी राजनीतिक हलचल के बीच देश को नया प्रधानमंत्री दे दिया। मजदूर संघ की पूर्व नेता और 44 वर्षीय राजनेता इंगा रुगिनिएने को संसद ने 78 बनाम 35 मतों से देश का नया प्रधानमंत्री चुना। यह चुनाव उनसे पहले के प्रधानमंत्री गिंतौतास पलुकस के इस्तीफे के बाद हुआ है।

गिंतौतास पलुकस पिछले साल ही प्रधानमंत्री बने थे, लेकिन उनकी छवि लगातार सवालों में रही। जुलाई में कई मीडिया रिपोर्टों में उनके पुराने और मौजूदा कारोबारी लेन-देन पर गंभीर आरोप लगे। इसमें वित्तीय गड़बड़ी

और पुराने मामलों से जुड़े आरोप शामिल थे। इन खुलासों के बाद देश की भ्रष्टाचार-रोधी और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने आधिकारिक जांच शुरू कर दी। दबाव बढ़ने पर पलुकस ने जुलाई के अंत में पद छोड़ दिया।

इंगा रुगिनिएने मजदूर संघ परिसंघ की पूर्व प्रमुख रही हैं। पिछले साल आम चुनाव से ठीक पहले उन्होंने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ज्वाइन की थी। इसके बाद वे पलुकस की सरकार में सामाजिक मामलों और श्रम मंत्री बनीं। अब वे सीधे प्रधानमंत्री पद तक पहुंच गई हैं। वहीं नई प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद इंगा रुगिनिएने ने संसद से कहा, 'हमारा मकसद स्थिरता बहाल करना है और यह सुनिश्चित करना है कि सरकार वही काम करे जो जनता ने उसे सौंपा है।'

लिथुआनिया के राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने संसद में इंगा रुगिनिएने को नामित करते हुए कहा कि वे समझौते की तलाश करने वाली, रचनात्मक वार्ताकार हैं। राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई कि वह देश की राजनीति में स्थिरता लाएंगी।

ज्वैलरी शॉप पर डकैती की योजना नाकाम

रेलवे स्टेशन से 5 अंतरराज्यीय अपराधी गिरफ्तार, देशी कट्टा और गैस कटर बरामद

गिरिडीह, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस ने एक बड़ी डकैती को टालते हुए पांच अंतरराज्यीय अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एसपी डॉ. बिमल कुमार को मिली गुप्त सूचना के बाद कार्रवाई की गई।

जमुआ थाना क्षेत्र में डकैती की योजना की सूचना मिलने पर खोरीमहुआ के एसडीपीओ राजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने जमुआ रेलवे स्टेशन के पास अभियान चलाया। पुलिस को देखकर आठ संदिग्ध भागने लगे। इनमें से पांच को पकड़ लिया गया, जबकि तीन फरार हो गए।

पूर्व राष्ट्रपति दुतेर्ते को गिरफ्तार करने वाले पुलिस प्रमुख बर्खास्त

कुआलालंपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्दिनांद मार्कोस जूनियर ने अपने राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख को बर्खास्त कर दिया है। पुलिस प्रमुख ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के आदेश पर फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते और कथित बाल यौन तस्करी के लिए एफबीआई की वांछित सूची में शामिल प्रचारक अपोलो कैरियन क्विबोलोय को गिरफ्तार करके सुर्खियां बटोरीं थी। फिलीपींस के कार्यकारी सचिव लुकास बर्सामिन ने 2,32,000 सदस्यों वाले राष्ट्रीय पुलिस बल के प्रमुख पद से जनरल निकोलस टोरे को हटाने का कोई कारण नहीं बताया। टोरे को मई में ही राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख पद पर नियुक्त किया गया था और उनका कार्यकाल साल 2027 तक था।

मनमानी कर रहे थे टोरे

फिलीपींस सरकार ने टोरे की जगह वरिष्ठ पुलिस जनरल, जोस मेलेंसियो नार्टेज जूनियर को अगला पुलिस प्रमुख नियुक्त किया है। नार्टेज जूनियर ने मंगलवार को यह पदभार ग्रहण किया। वहीं पद से अचानक हटाए जाने के बाद निकोलस टोरे की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। उल्लेखनीय है कि अपने निष्कासन से पहले, टोरे ने कथित तौर पर राष्ट्रीय पुलिस के एक दर्जन से अधिक शीर्ष पुलिस अधिकारियों को पद से हटा दिया था, इनमें मौजूदा पुलिस प्रमुख नार्टेज भी शामिल थे। इसे लेकर टोरे का सरकारी अधिकारियों के साथ मतभेद भी था। अब टोरे के निष्कासन के पीछे ये भी एक वजह मानी जा रही है। राष्ट्रीय पुलिस आयोग ने इसी महीने पुलिस अधिकारियों को उनके पदों पर बहाल करने का आदेश दिया था, लेकिन आयोग के आदेश के बावजूद तुरंत ऐसा नहीं किया गया था। जिससे सरकार के शीर्ष अधिकारी टोरे से नाराज थे।

टोरे को हटाए जाने का कारण पूछे जाने पर, सरकार के आंतरिक सचिव जोनविक रेमुल्ला ने बिना कोई खास जानकारी दिए कहा कि, 'निकोलस टोरे ने किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं किया है, उन पर कोई आपराधिक या प्रशासनिक आरोप भी नहीं लगाया गया है, यह केवल राष्ट्रीय पुलिस के लिए एक नई दिशा तय करने का राष्ट्रपति का फैसला है।' उन्होंने कहा कि 'हम कानूनों का देश हैं, लोगों का नहीं, और संस्थाएं उन्हें चलाने वाले लोगों से बड़ी होनी चाहिए।'

इस साल मार्च में, टोरे ने मनीला के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पूर्व राष्ट्रपति दुतेर्ते को गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय द्वारा दुतेर्ते के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने के चलते हुई। 2022 में अपना छह साल का राष्ट्रपति कार्यकाल पूरा करने वाले दुतेर्ते पर, अपने कार्यकाल के दौरान अवैध ड्रग्स के खिलाफ क्रूर अभियान चलाने के लिए मानवता के विरुद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है।

भारत के अनुभव सचान ने रचा इतिहास

बने यूके यूनिवर्सिटी पोलो चैंपियनशिप जीतने वाले पहले खिलाड़ी

लंदन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अनुभव ने जब वारविक पोलो क्लब जॉइन किया, तब उनके पास पोलो का कोई अनुभव नहीं था। पढ़ाई और कठिन प्रशिक्षण के बीच तालमेल बैठाना आसान नहीं था, लेकिन लगातार अभ्यास और समर्पण ने उन्हें सफलता दिलाई।

भारत के युवा खिलाड़ी अनुभव सचान ने यूनाइटेड किंगडम में इतिहास रच दिया है। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक की बी3 टीम के साथ यूनिवर्सिटी पोलो चैंपियनशिप का खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल की। खास बात यह है कि वे ऐसा करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने हैं। उनकी इस सफलता को ब्रिटेन की प्रतिष्ठित पत्रिका पोलो टाइम्स ने भी 2025 संस्करण में जगह दी है।

कानपुर में जन्मे अनुभव सचान का घोड़ों से जुड़ाव किसी आलीशान पोलो ग्राउंड से नहीं, बल्कि लखनऊ रेसकोर्स से शुरू हुआ, जहां उन्होंने पहली बार घुड़सवारी सीखी। वहीं से निकला यह लगाव उन्हें ब्रिटेन के पोलो मैदानों तक ले आया। स्कूलिंग उन्होंने द सिंधिया स्कूल से की, जहां वे डिप्टी हेड बॉय, डिबेटिंग सोसाइटी के सचिव और फुटबॉल टीम के सदस्य रहे।

वर्तमान में अनुभव यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक में फिलॉसफी, पॉलिटिक्स और इकोनॉमिक्स के छात्र हैं। इसके साथ ही वे वारविक कांग्रेस के अध्यक्ष भी हैं और राजनीति, नीति-निर्माण व वैश्विक विषयों पर छात्र-नेतृत्व वाले संवाद का संचालन करते हैं।

पोलो की दुनिया में शुरुआत

दिलचस्प बात यह है कि अनुभव ने जब वारविक पोलो क्लब जॉइन किया, तब उनके पास पोलो का कोई अनुभव नहीं था। पढ़ाई और कठिन प्रशिक्षण के बीच तालमेल बैठाना आसान नहीं था, लेकिन लगातार अभ्यास और समर्पण ने उन्हें सफलता दिलाई।

बड़ी जीत और नया लक्ष्य

2025 के एसयूपीए नेशनल्स में उनकी टीम ने डर्हम, ऑक्सफोर्ड और नॉटिंघम जैसी मजबूत टीमों को हराकर खिताब जीता। अनुभव का मानना है कि पोलो सिर्फ खेल नहीं, बल्कि धैर्य, टीमवर्क और नेतृत्व का विद्यालय है। उनके शब्दों में, 'मेरे लिए यह हमेशा जीतने से ज्यादा सीखने और बेहतर बनने की बात रही है। घोड़े के साथ जुड़ाव, टीम के साथ तालमेल और खेल का अनुशासन आपको धैर्य और आत्मविश्वास सिखाता है।'

अनुभव का सपना

अनुभव का सपना है कि भारत में घुड़सवारी और पोलो को नई दिशा मिले। वे चाहते हैं कि अधिक से अधिक युवा इस खेल से जुड़ें और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करें।

हॉकी इंडिया का फैंस को तोहफा : बिहार के राजगीर में होने वाले एशिया कप में दर्शकों को निशुल्क प्रवेश

राजगीर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को घोषणा की कि 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश मिलेगा। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा, 'प्रशंसक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू टिकट जिनी डॉट इन या हॉकी इंडिया ऐप के जरिये मुफ्त टिकट पा सकते हैं। उन्हें प्रक्रिया पूरी करने पर वर्चुअल टिकट मिलेगा।

हीरो पुरूष एशिया कप में आठ टीमें भारत, जापान, चीन, कजाखस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपै भाग लेंगे। यह 2026 में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालिफायर टूर्नामेंट भी है। भारत को पूल ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ रखा गया है। भारत को 29 अगस्त को चीन से, 31 को जापान और एक सितंबर को कजाखस्तान से खेलना है।

2017 में जीता था पिछला खिताब

मौजूदा ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और एशिया की नंबर एक टीम भारत ने आखिरी बार 2017 में ढाका में एशिया कप का खिताब जीता था। तब उसने फाइनल में मलयेशिया को 2-1 से हराया था। भारतीय टीम 2022 में जकार्ता में खेले गए एशिया कप में दक्षिण कोरिया और मलेशिया के बाद तीसरे स्थान पर रहा था।

पूर्व खिलाड़ियों ने भारत को दावेदार बताया

हॉकी के पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि भारत बिहार के राजगीर में होने वाले आगामी पुरुष एशिया कप को जीतने और अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने का प्रबल दावेदार है। भारत की 1975 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान अजीतपाल सिंह ने हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम को प्रबल दावेदार बताया, लेकिन खिलाड़ियों को आत्ममुग्धता से बचने के लिए भी चेताया।

ट्रॉफी का हुआ अनावरण

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने एशिया कप 2025 ट्रॉफी का अनावरण किया, जिसके साथ ही टूर्नामेंट की उल्टी गिनती शुरू हो गई। एशिया कप ट्रॉफी के अनावरण के अवसर पर तीन बार के ओलंपिक पदक विजेता हरबिंदर सिंह और पूर्व खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद भी उपस्थित थे।

एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप के आठवें दिन भारत को 8 मेडल

महिला ट्रैप टीम और इंडिविजुअल में नीरू धनदा और जूनियर पिस्टल में पायल ने गोल्ड जीता

शिमकेंट, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कजाकिस्तान के शिमकेंट में चल रही 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के आठवें दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 गोल्ड, 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते।

महिला ट्रैप इवेंट में भारत ने इंडिविजुअल और टीम दोनों इवेंट में गोल्ड मेडल हासिल किया। नीरू धनदा ने इंडिविजुअल में गोल्ड जीता, जबकि जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में भी भारत ने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया।

महिला ट्रैप में मिले तीन मेडल

महिला ट्रैप इवेंट में भारत को तीन मेडल मिले। नीरू धनदा और आशिमा अहलावत ने क्वालिफिकेशन में 107 अंकों के साथ पांचवें और छठे स्थान पर जगह बनाई। प्रीति राजक 105 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में बाहर हो गईं। कतर की रे बासिल ने 110 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहीं। फाइनल में नीरू ने शानदार प्रदर्शन किया। शुरूआत में भारत की नीरू और आशिमा, कतर की रे बासिल और जापान की नानामी मियासाका के बीच कड़ा मुकाबला रहा। बाद में चीनी ताइपे की लियू वान-यू भी चुनौती बनकर उभरीं। नीरू ने अंतिम 25 में से 22 और आखिरी 10 टारगेट्स में सभी 10 हिट्स लगाए, जिससे उन्होंने 43 हिट्स के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। आशिमा और रे बासिल 29 हिट्स के साथ बराबरी पर रहीं, लेकिन बिब नंबर के आधार पर आशिमा को ब्रॉन्ज और रे को सिल्वर मिला। भारत की तिकड़ी (नीरू, आशिमा, प्रीति) ने 319 अंकों के साथ टीम गोल्ड भी जीता, जो चीन (301) से 18 अंक आगे रहा।

जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में तीनों मेडल भारत

जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल में भारत की पायल खत्री, नाम्या कपूर और तेजस्विनी ने शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में तीनों भारतीय खिलाड़ियों ने कोरिया, इंडोनेशिया और मलेशिया की प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए आपस में ही मुकाबला किया। पायल ने छठे से नौवें सीरीज में चार-चार हिट्स और 10वीं सीरीज में 5/5 हिट्स के साथ 36 हिट्स बनाए और गोल्ड जीता। नाम्या ने 30 हिट्स के साथ सिल्वर और तेजस्विनी ने 27 हिट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। इसके अलावा, पायल, तेजस्विनी और रिया शिरीष ठट्टे (554 अंक) ने मिलकर 1700 अंकों के साथ टीम सिल्वर मेडल जीता, जिसमें कोरिया ने गोल्ड हासिल किया।

इससे पहले नाम्या ने 581 अंकों के साथ क्वालिफिकेशन में पहला स्थान हासिल किया, जबकि तेजस्विनी 577 अंकों के साथ दूसरे और पायल 569 अंकों के साथ छठे स्थान पर रहीं।

पुरुष ट्रैप में भवनीश को सिल्वर

पुरुष ट्रैप में भारत के भवनीश मेंदिरत्ता ने 118 अंकों (25,24,23,22,24) के साथ क्वालिफिकेशन में चौथा स्थान हासिल किया। फाइनल में उनका मुकाबला पेरिस ओलिंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट चीन के क्वि यिंग से हुआ। भवनीश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 45 हिट्स बनाए, लेकिन क्वि के 47 हिट्स के सामने उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा।

भारत मेडल टैली में टॉप पर

चैंपियनशिप में भारत 28 गोल्ड, 10 सिल्वर और 12 ब्रॉन्ज मेडलों के साथ टॉप पर है।

शटलर लक्ष्य सेन बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर

वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने हराया

खेल डेस्क, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के युवा शटलर लक्ष्य सेन को हारकर बाहर होना पड़ा है। मेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 64 मैच में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 चीन के शी यू की ने सीधे गेम में हरा दिया। पेरिस के अडीडास एरिना में चीनी प्लेयर ने 21-17, 21-19 से बाजी मारी और अगले राउंड में एंट्री की। चीनी प्लेयर ने चौथी बार हराया शी यू की और लक्ष्य के बीच बैडमिंटन में पांचवां ही मैच खेला गया। शी ने इनमें चौथी बार बाजी मारी, लक्ष्य 1 बार ही चीनी प्लेयर को हरा सके। 54 मिनट तक चले मैच में शी हावी ही दिखे। उन्होंने 21-17 से पहला गेम जीतने के बाद 21-19 से दूसरा गेम भी जीत लिया।

दोनों प्लेयर्स इसी साल जून में आखिरी बार इंडोनेशिया ओपन के दौरान भी भिड़े थे। तब भी शी ने बाजी मारी थी। हालांकि, तब मुकाबला 3 गेम तक चला था। शी के खिलाफ लक्ष्य की इकलौती जीत 2022 के एशियन गेम्स में आई थी। तब लक्ष्य ने 22-20, 14-21, 21-18 से मैच जीता था।

टीम इंडिया में नहीं मिली जगह

गौतम गंभीर पर ध्रुव जुरेल ने दिया बड़ा बयान

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 को लेकर बीसीसीआई ने टीम इंडिया के 15 सदस्यीय स्क्वाड का ऐलान 19 अगस्त को कर दिया था, जो थोड़ा हैरान करने वाला भी था क्योंकि आईपीएल 2025 में कमाल का प्रदर्शन करने वाले पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर को टीम में जगह नहीं मिली, जिसपर कई पूर्व खिलाड़ियों ने भी सवाल उठाया। वहीं एक खिलाड़ी और है जिसको 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं, जिसके बाद अब इस खिलाड़ी ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर बड़ा बयान दिया है।

गंभीर को लेकर ध्रुव जुरेल का बड़ा बयान

इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ध्रुव जुरेल टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन उनको सीरीज के आखिरी मैच की प्लेइंग इलेवन में खेलने का मौका मिला था। ऋषभ पंत के इंजर्ड होकर पांचवें टेस्ट से बाहर होने के बाद जुरेल को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। जिसके बाद एशिया कप 2025 को लेकर भी टीम का ऐलान होने से पहले जुरेल के नाम पर काफी चर्चा हो रही थी, लेकिन ये विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और जितेश शर्मा के सामने हार गया। ध्रुव जुरेल एशिया कप के लिए टीम के स्क्वाड में मौका नहीं मिला।

वहीं अब एक इंटरव्यू के दौरान ध्रुव जुरेल ने हेड कोच गौतम गंभीर को लेकर कहा "वह महेशा मेरे पास आते हैं और कहते हैं कि आप मुझसे कभी भी बात कर सकते हैं। चाहे तो आप मुझे कॉल भी कर सकते हैं और मैं हमेशा आपका सपोर्ट करूंगा। बस आप हमेशा कड़ी मेहनत करते रहे। यह काफी अच्छा लगता है। जब टीम इंडिया का हेड कोच आपसे ऐसे बात करता है तो आपका आत्मविश्वास बढ़ जाता है।"

ध्रुव जुरेल को एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया के 15 सदस्यीय स्क्वाड में तो नहीं रखा गया है, लेकिन वे रिजर्व खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हैं। अगर टीम इंडिया का कोई विकेटकीपर बल्लेबाज चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो जाता है तो जुरेल को स्क्वाड में शामिल किया जा सकता है।

सिनक्यूफील्ड कप में प्रज्ञानंद को संयुक्त बढ़त

वेस्ली के खिलाफ गुकेश हारे

सेंट लुई (अमेरिका), 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने फ्रांस के अलीरजा फिरोजा को हराकर ग्रैंड शतरंज टूर के सिनक्यूफील्ड कप के सातवें दौर के बाद संयुक्त बढत बना ली । लगातार ड्रॉ के बाद प्रज्ञानंद की यह दूसरी जीत है। वह अमेरिका के फेबियानो कारूआना के साथ 4.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश को अमेरिका के वेस्ली सो के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा।

लेवोन आरोनियन और वेसली चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव, पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ और अमेरिका के सैमुअल सेवियान संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। गुकेश और अलीरजा तीन तीन अंक लेकर अगले स्थान पर हैं, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव डेढ अंक के साथ आखिरी स्थान पर हैं ।

पिछले दो दौर में सारे मुकाबले ड्रॉ रहने के बाद सातवें दौर में पांच में से तीन मुकाबलों के नतीजे निकले। अलीरजा और गुकेश के अलावा नोदिरबेक को भी पराजय झेलनी पड़ी जिन्हें डुडा ने हराया।

18 छक्कों के साथ बनाए 181 रन

विष्णु विनोद ने सिर्फ 2 मैच में सबको छोड़ा पीछे, किए 3 रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम, 27 अगस्त (एजेंसियां)। केरल क्रिकेट लीग 2025 में तूफानी बल्लेबाजी का नजारा आए दिन देखने को मिल रहा है. लीग के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी विष्णु विनोद का तो खैर कहना ही क्या? दाएं हाथ के विकेटकीपर बल्लेबाज विष्णु विनोद ने सिर्फ 2 मैचों में सबको पीछे छोड़ दिया है. बड़ी बात ये है कि ये दोनों मैच उन्होंने दो दिनों में खेले हैं, जिनमें उन्होंने कुल मिलाकर 18 छक्के उड़ाए हैं. अब इससे बल्ले से मचाए तूफान का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिसकी बदौलत विष्णु विनोद ने केसीएल 2025 में 3 रिकॉर्ड भी फिलहाल के लिए अपने नाम कर लिए हैं.

अब सवाल है कि 2 दिन में 2 मैच में विष्णु विनोद ने छक्कों और रनों की बरसात कैसे की? उन्होंने ताजातरीन हमला अपने बल्ले से त्रिसुर टाइटंस के खिलाफ बोला. 25 अगस्त को खेले मुकाबले में

एरिज कोलम सेलर्स के बल्लेबाज विष्णु विनोद ने पारी की शुरुआत करते हुए सिर्फ 38 गेंदों में गर्दा-गर्दा कर दिया. विष्णु विनोद ने 38 गेंदों में 8 छक्के के साथ 226.32 की स्ट्राइक रेट से 86 रन बनाए.

उनकी इस विस्फोटक बैटिंग का असर ये हुआ कि एरिज कोलम सेलर्स ने त्रिसुर टाइटंस के खिलाफ मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया. त्रिसुर टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में 10 विकेट खोकर 144 रन बनाए थे. जवाब में 145 रन के टारगेट को एरिज कोलम सेलर्स ने 14.1 ओवर में ही 2 विकेट खोकर चेज कर लिया.

विष्णु विनोद ने इससे पहले 24 अगस्त को संजू सैमसन की टीम कोच्चि ब्लू टाइगर्स के खिलाफ भी तांडव किया था. उस मैच में विष्णु ने 41 गेंदों में 10 छक्कों के साथ 229.27 की स्ट्राइक रेट से 94 रन बनाए थे. हालांकि, वो मैच उनकी टीम 236 रन बनाकर भी नहीं जीत सकी थी, क्योंकि, रनचेज में संजू सैमसन का शतकीय प्रहार भारी पड़ गया था. 2 दिन में खेले 2 मैच में 18 छक्के जमाकर विष्णु विनोद ने केसीएल 2025 में अब तक सबसे ज्यादा छक्के जमाने का कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है. इसके अलावा वो लीग के मौजूदा सीजन में अब तक सबसे ज्यादा 181 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं. विष्णु विनोद सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में भी टॉप पर हैं. उन्होंने अब तक 2 अर्धशतक लगाए हैं.

अल्काराज यूएस ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

ओपेल्का को सीधे सेटों में हराया; कैरोलिना मुचोवा से हारीं वीनस विलियम्स

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त (एजेंसियां)। स्पेन के टेनिस स्टार और यूएस ओपन में दूसरी सीड कार्लोस अल्काराज दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं। वहीं, दो बार की चैंपियन वीनस विलियम्स को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मैच में अल्काराज नए लुक में नजर आए। वह सिर मुंडवाकर खेलने उतरे। अल्काराज ने पहले राउंड में रीली ओपेल्का को 6-4, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार जीत हासिल की।

दो घंटे से ज्यादा समय तक चले इस मैच में उन्होंने केवल 17 गलतियां कीं, 58 में से 50 सर्विस पॉइंट जीते, सभी तीन ब्रेक पॉइंट बचाए और ओपेल्का की सर्विस तीन बार तोड़ी।

मैक्लॉरी ने नए लुक को लेकर किया मजाक

मैच से पहले अल्काराज की मुलाकात गोल्फ स्टार रॉरी मैक्लॉरी से हुई, जिन्होंने उनके मुंडे सिर को छूकर मजाक किया। पिछले हफ्ते यूएस ओपन के मिक्स्ड डबल्स में अल्काराज के बाल पूरे थे, लेकिन इस बार उनका नया लुक चर्चा का विषय बना।

मैच के बाद अल्काराज ने अपने हेयरकट के बारे में फैन्स की राय जानी

मैच के बाद अल्काराज ने दर्शकों से अपने नए हेयरकट के बारे में राय मांगी। दर्शकों ने जोरदार तालियों के साथ इसे पसंद किया। अल्काराज ने कहा, 'लगता है उन्हें मेरा नया लुक पसंद आया।' हालांकि, उनके दोस्त और टेनिस खिलाड़ी फ्रांसिस टियाफो को यह हेयरकट बिल्कुल पसंद नहीं आया। टियाफो ने मजाक में कहा, 'यह भयानक है, जिसने भी कार्लोस को ऐसा करने को कहा, उसने गलत सलाह दी। मैं अच्छे हेयरकट का शौकीन हूं, लेकिन यह वाकई खराब है।'

वीनस विलियम्स यूएस ओपन से बाहर

वीनस विलियम्स को चेक गणराज्य की 11वीं वरीयता प्राप्त कैरोलिना मुचोवा से 6-3 2-6 6-1 से हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मेडिसन कीस पहले दौर में हारी

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन मेडिसन कीस को अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मैक्सिको की 82वीं रैंकिंग वाली रेनेटा जाराजुआ ने हराकर उलटफेर कर दिया। वहीं, दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा ने अमेरिकी ओपन के पहले दौर में डायने पैरी से मिली हार के बाद टेनिस को अलविदा कह दिया।

कीस ने मैच में की कई गलतियां

छठी वरीयता प्राप्त कीस ने 89 सहज गलतियां और 14 डबल फाल्ट किये जिसकी वजह से उन्हें 7-6, 6-7, 5-6 से पराजय का सामना करना पड़ा। अन्य मुकाबलों में ब्राजील के 19 वर्ष के जोओ फोंसेका ने अमेरिकी ओपन में डेब्यू के साथ जीत दर्ज करते हुए मियोमीर केसमानोविच को 7-6, 7-6, 6-3 से हराया। वहीं कनाडा की 18 वर्ष की विकी एमबोको ने दो बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-2 से मात दी। वहीं 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचीं कैरोलिन गार्सिया अपने कैरियर के आखिरी टूर्नामेंट में कामिला रखिमोवा से 6-4, 4-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गईं।

क्वितोवा मैच के बाद हुईं भावुक

वहीं, दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा को डायने पैरी ने 6-1, 6-0 से हराया। मुकाबला खत्म होने के बाद क्वितोवा की आंखें भर आईं। दर्शक दीर्घा में मौजूद उनके पति और कोच जिरि वानेक ने उन्हें गले लगाया। पिछले साल जुलाई में बेटे को जन्म देने वाली क्वितोवा 17 महीने बाद कोर्ट पर लौटी थीं। उन्होंने इस साल की शुरूआत में ही कह दिया था कि अमेरिकी ओपन उनका आखिरी टूर्नामेंट होगा।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि कुछ सप्ताह पहले वह कोविड 19 संक्रमण का शिकार होने के कारण अमेरिकी ओपन से नाम वापिस लेने की सोच रही थीं। उन्होंने कहा, 'सुबह उठने के बाद से मुझे लग रहा था कि कुछ अच्छा नहीं होगा। मैं खा नहीं सकी। मैं काफी नर्वस थी और कुछ कर नहीं पा रही थी। यह काफी कठिन था। मैंने कभी ऐसा अनुभव नहीं किया था।'

2016 में क्वितोवा पर हुआ था हमला

क्वितोवा ने 2011 में मारिया शारापोवा को हराकर विंबलडन खिताब जीता था। इसके बाद 2014 में यूजीन बूचार्ड को हराकर खिताब अपने नाम किया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2019 के फाइनल में उन्हें नाओमी ओसाका ने हराया था। दिसंबर 2016 में उनके घर पर एक घुसपैठिये ने उन पर चाकू से हमला किया जिससे लगी चोट से उबरने के लिए उन्हें लंबी सर्जरी करानी पड़ी थी।

गणपति स्थापना के लिए रहेंगे दो मुहूर्त

स्थापना और पूजा की विधि

सुबह	दोपहर
11:10 से	3:45 से
दोपहर 12:30 तक	शाम 6:45 तक

गणेशजी के 12 मंत्र

ॐ सुमुखाय नमः
ॐ एकदंताय नमः
ॐ कपिलाय नमः
ॐ गजकर्णाय नमः
ॐ लंबोदराय नमः
ॐ विकटाय नमः
ॐ विघ्ननाशाय नमः
ॐ विनायकाय नमः
ॐ धूम्रकेतवे नमः
ॐ गणाध्यक्षाय नमः
ॐ भालचंद्राय नमः
ॐ गजाननाय नमः

मिट्टी के गणेश पवित्र होते हैं

मिट्टी में स्वाभाविक पवित्रता होती है। इसमें भूमि, जल, वायु, अग्नि और आकाश का अंश होता है। इन पंचतत्वों के कारण मिट्टी को पवित्र माना जाता है। देवी पार्वती ने मिट्टी का ही पुतला बनाया था, शिवजी ने उसमें प्राण डाले। वो ही गणेश बने।

नदी या पेड़ के नीचे की मिट्टी से बनाए गणेश

गंगा या किसी भी पवित्र नदी की मिट्टी ले सकते हैं। शमी या पीपल के पेड़ के नीचे की मिट्टी से मूर्ति बना सकते हैं। जहां से भी मिट्टी लें, वहां ऊपर से चार इंच की मिट्टी हटाकर, अंदर की मिट्टी इस्तेमाल करें।

घर में बैठे हुए गणेश की मूर्ति, 9 इंच से बड़े नहीं हो

घर में हथेली भर के गणेशजी स्थापित करने चाहिए। ग्रंथों के बताई गई माप के मुताबिक घर में रखने वाली मूर्ति 12 अंगुल यानी तकरीबन 7 से 9 इंच तक की हो। इससे ऊंची नहीं होनी चाहिए। मंदिरों और पंडालों के लिए इस तरह का कोई नियम नहीं है। बैठे हुए गणेश घर के लिए, खड़े गणपति ऑफिस, दुकान, कारखानों के लिए शुभ होते हैं।

27 अगस्त, यानी आज गणेश चतुर्थी है। इस दिन, चित्रा नक्षत्र, बुधवार और भाद्रपद महीने की चतुर्थी तिथि से शुभ संयोग बन रहा है।

गणेश जी के सिद्धि विनायक रूप की पूजा हर मांगलिक काम से पहले होती है। माना जाता है गणेश जी का ये रूप सुख और समृद्धि देने वाला होता है। इनकी पूजा से हर काम में सफलता मिलती है। इसलिए इन्हें सिद्धि विनायक कहते हैं।

शिव पुराण: देवी पार्वती ने शरीर के मैल से बनाए गणेश

देवी पार्वती ने नहाने से पहले अपने शरीर के मेल से एक बच्चे का पुतला बनाया और उसमें प्राण डाले। देवी ने उसे द्वारपाल बनाकर आज्ञा दी कि कोई भीतर न आए। जब शिव आते हैं तो बालक उन्हें रोकता है। शिव और उस बालक के बीच युद्ध होता है। शिव अपने त्रिशूल से उस बच्चे का सिर काट देते हैं। बच्चे को देख पार्वती दुखी होती हैं। उनके गुस्से से सृष्टि को बचाने के लिए बच्चे के शरीर पर हाथी का सिर लगाया जाता है और उसे फिर से जीवन दिया जाता है। शिव बच्चे को गजानन नाम और प्रथम पूज्य होने का वरदान देते हैं।

लिंग पुराण: शिवजी ने प्रकट किया गणेश को, विघ्नेश्वर कहलाए

देवगण बृहस्पति के साथ शिव से प्रार्थना करते हैं कि अधर्मियों के कामों में विघ्न डालने वाला एक देव रूप दें, जिससे धर्मात्मा सुखी हों। तब शिव ने गणेश्वर को प्रकट किया। पार्वती उन्हें गजानन रूप देती हैं। शिव पुत्र-जन्म के संस्कार कराते हैं और वरदान देते हैं कि तीनों लोक में सबसे पहले तुम्हारी पूजा होगी। साथ ही तुम विघ्नेश्वर और विनायक कहलाओगे। तुम्हारे गण अधर्मियों के कामों में रुकावटें पैदा करेंगे। इसके बाद गणेश अपने विघ्न-गणों की स्थापना करते हैं।

वराह पुराण : रूद्र से प्रकट हुए गणेश, विनायक नाम पड़ा

ऋषि मुनियों की पूजा में आसुरी शक्तियां रुकावट डाल रही थीं। ऐसे में देवता और पितर कैलाश जाकर शिव से उपाय मांगते हैं। शिव देवी पार्वती को देखते हुए विचार करते हैं कि मेरी देह पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु में तो है, लेकिन आकाश में क्यों नहीं और हंस पड़ते हैं। रूद्र के इस भाव से तेजस्वी बालक प्रकट होता है। उसे देखकर पार्वती मुग्ध हो जाती हैं। इस पर रूद्र को गुस्सा आता है और वो बालक को श्राप देते हैं कि तुम्हारा मुंह हाथी जैसा हो जाए, पेट बड़ा हो जाए और तुम्हारी जनेऊ नाग बन जाए। तब ब्रह्मा आकर कहते हैं जो रुद्र के भाव से उत्पन्न हुआ वो गणपति बने। तब शिव का गुस्सा शांत होता है और उस बालक को विनायक, विघ्नकर और गणेश नाम दिया जाता है। वरदान भी दिया जाता है कि हर पूजा आराधना से पहले गणपति की पूजा अनिवार्य है।

गणेश स्थापना सामग्री

1- गणेश जी की मूर्ति – मिट्टी की (शास्त्रों में इसे शुभ माना गया है)।
2- चौकी / पाट – जिस पर मूर्ति स्थापित करनी है।
3- लाल या पीला कपड़ा – चौकी पर बिछाने के लिए।
4- आसन – मूर्ति और पूजन के लिए (लाल/पीला कपड़ा)।
5- कलश – जल से भरा हुआ, आम के पत्ते और नारियल सहित।
6- अक्षत (चावल) – पूजन में अर्पण के लिए।
7- दूर्वा (तीन पत्ती घास) – गणपति का प्रिय।
8- सिंदूर, हल्दी, चंदन, रोली – तिलक और पूजन के लिए।
9- धूप, दीपक, कपूर, अगरबत्ती।
10- फूल – विशेषकर लाल और पीले रंग के।
11- माला – फूलों की गणेशजी और सजावट के लिए।
12- पान के पत्ते, सुपारी, लौंग, इलायची।
13- फलों का थाल – केला, अनार, अमरूद, नारियल आदि।
14- मिठाई – खासकर मोदक और लड्डू।
15- पंचामृत – दूध, दही, घी, शहद, शक्कर।
16- नैवेद्य – पकवान, पंचमेवा आदि।
17- घंटी, शंख और आरती की थाली।
18- गंगाजल – शुद्धिकरण के लिए।
19- स्वस्तिक बनाने के लिए लाल चंदन/रोली।
20- कुंभ (कलश) पर मौली (रक्षासूत्र) बांधने के लिए।

गणेशजी की मूर्ति लाते समय सूंड मुद्रा समेत इन बातों का रखें ध्यान

गणपति का मुख पूर्व या उत्तर की ओर होना शुभ है। भक्त जब पूजा करे तो उसका मुख पश्चिम या दक्षिण की ओर होना चाहिए।

मूर्ति का आकार और स्थान

घर में 1.5 फीट तक की मूर्ति सर्वोत्तम रहती है। बहुत बड़ी मूर्ति घर में लाना उचित नहीं माना जाता। घर में स्वच्छ, पवित्र और हवादार स्थान चुनें। किचन या बाथरूम के पास मूर्ति रखना वर्जित है। मूर्ति को जमीन पर सीधे न रखें, चौकी/पाट पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर रखें।

गणेश जी की सूंड की दिशा

दाईं ओर सूंड वाली मूर्ति (सिद्धिविनायक रूप) अत्यधिक जाग्रत मानी जाती है, जिसमें नियमपूर्वक कठोर पूजा आवश्यक होती है। बाईं ओर सूंड वाली मूर्ति गृहस्थ जीवन के लिए शुभ और सरल पूजा के लिए मानी जाती है।

गणेशजी की मूर्ति में मोषक

गणेशजी बैठे हुए (लाल वस्त्र धारण किए, एक हाथ आशीर्वाद मुद्रा में) हों तो धन, सुख और बुद्धि वृद्धि होती है। खड़े गणपति व्यापार और नई शुरुआत के लिए शुभ होते हैं। साथ ही ध्यान रखें कि गणेशजी की मूर्ति लेते समय उनके साथ मोदक और मूषक जरूर हों।

मूर्ति लाने का तरीका

प्रतिमा घर लाते समय उसे लाल या पीले कपड़े में लपेटें। मूर्ति को अपने सिर से ऊंचा उठाकर लाना चाहिए, पैरों के नीचे नहीं रखना चाहिए। घर लाने के समय गणपति बप्पा मोरया का उच्चारण करें।

मूर्ति का प्रकार और मुख

मिट्टी (शाडू माटी) की गणेश प्रतिमा सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। गणेशजी की पूजा के लिए धातु, प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियां शास्त्रसम्मत नहीं मानी जातीं।

गणेशजी की आरती

जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥
एक दन्त दयावन्त, चार भुजा धारी।
मस्तक सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी॥
अन्धन को आँख देत, कोढ़िन को काया।
बांझन को पुत्र देत, निर्धन को माया॥
हार चढ़ें फूल चढ़ें, और चढ़ें मेवा।
लड्डूवन का भोग लगे, सन्त करें सेवा॥
दीनन की लाज राखो, शुम्भ-सुत-वारी।
कामना को पूरी करो, जग बलिहारी॥
जय गणेश जय गणेश, जय गणेश देवा।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा॥

आज रवि और सर्वार्थ सिद्धि योग में करें गणपति की स्थापना

दृक पंचांग के अनुसार, इस दिन अभिजीत मुहूर्त नहीं है और राहुकाल का समय दोपहर के 12 बजकर 22 मिनट से होकर 1 बजकर 59 मिनट तक रहेगा। इस दिन रवि और सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग भी रहेगा।

रवि योग ज्योतिष में एक शुभ योग है। यह योग तब बनता है जब चंद्रमा का नक्षत्र सूर्य के नक्षत्र से चौथे, छठे, नौवें, 10वें और 13वें स्थान पर होता है। इस दिन आप किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। निवेश, यात्रा, शिक्षा या व्यवसाय से संबंधित काम की शुरुआत करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। साथ ही इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग तब बनता है जब कोई विशेष नक्षत्र किसी विशेष दिन के साथ आता है। मान्यता है कि इस योग में किए गए कार्य सफल होते हैं और व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने में मदद मिलती है। इसका मुहूर्त 27 अगस्त की सुबह 5 बजकर 57 मिनट से शुरू होकर 6 बजकर 4 मिनट तक रहेगा।

10 दिन तक चलता है गणेश उत्सव

चतुर्थी तिथि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को शुरू होती है और 10 दिनों तक चलती है, जिसे अनंत चतुर्दशी के दिन समाप्त किया जाता है। यह त्योहार पूरे भारत में, विशेषकर महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, कर्नाटक और तेलंगाना में, बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दौरान, लोग अपने घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की मिट्टी की मूर्तियां स्थापित करते हैं। इन 10 दिनों में, भगवान गणेश की मूर्ति की पूजा, मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन किए जाते हैं। लोग गणेश जी को उनके पसंदीदा मोदक और लड्डू का भोग लगाते हैं। दसवें दिन, भक्त गणेश जी की मूर्तियों को विसर्जन के लिए भक्तों की रैली ले जाते हैं और उन्हें नदी, समुद्र या तालाब में विसर्जित करते हैं। यह विसर्जन इस बात का प्रतीक है कि भगवान गणेश अपने भक्तों के घरों से विदा लेकर अपने धाम लौट रहे हैं। यह त्योहार एकता, खुशी और आध्यात्मिकता का प्रतीक है।

फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' के प्रोड्यूसर पर भड़के अनुराग कश्यप

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है आने वाली एआई-जनरेटेड फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान - द इटरनल' पर। यह फिल्म अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क के हिस्ट्रीवर्स द्वारा घोषित की गई है और दावा किया जा रहा है कि यह भारत की पहली बड़ी मेड इन एआई मेड इन इंडिया फिल्म होगी, जिसकी रिलीज हनुमान जयंती 2026 पर तय की गई है।

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के फाउंडर-सीईओ और फिल्म के निर्माता विजय सुब्रमण्यम पर अनुराग कश्यप आगबबूला हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर सीधे विजय को आड़े हाथों लिया। अनुराग ने लिखा कि एक तरफ वो कलाकारों, लेखकों और निर्देशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दूसरी तरफ एआई से बनी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

कश्यप के मुताबिक, ये उन रचनाकारों के हितों से सीधा विश्वासघात है, जिनकी मेहनत और प्रतिभा पर ये एजेंसियां टिकी हुई हैं।

पैसे के लिए सबकुछ- कश्यप का आरोप

अनुराग ने अपने नोट में एजेंसियों पर यह आरोप भी लगाया कि उनका मकसद केवल पैसे कमाना है। उन्होंने कहा कि जब कलाकार उनके लिए पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पाते, तो ये एजेंसियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले लेती हैं। उन्होंने कहा, जिस किसी भी अभिनेता या कलाकार में आत्मसम्मान है, उसे इस एजेंसी से सवाल करना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए।

फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ती बेचैनी

अनुराग कश्यप के अलावा निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने ने भी इस प्रोजेक्ट पर तंज कसा। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की घोषणा शेयर करते हुए लिखा - तो अब शुरुआत हो गई. जब सबकुछ एआई करेगा तो लेखकों और निर्देशकों की जरूरत किसे है?

विजय सुब्रमण्यम ने दिया जवाब

हालांकि, विजय सुब्रमण्यम ने इन आलोचनाओं पर अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इस फिल्म का उद्देश्य परंपरा और नवाचार को जोड़ना है। उनका दावा है कि इस प्रोजेक्ट में सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शिता से काम किया जा रहा है और दर्शकों को यह साफ तौर पर बताया जाएगा कि रचनात्मक प्रक्रिया में एआई की क्या भूमिका है।

सन ऑफ सरदार 2 को मिली प्रतिक्रिया पर कुब्रा सैत ने जताई खुशी

अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। बातचीत में कुब्रा ने विस्तार से चर्चा की।

पहली मीटिंग के बाद ही 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए तैयार हो गई थीं कुब्रा

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। 'सन ऑफ सरदार 2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। हालांकि, कुब्रा फिल्म की रिलीज के बाद बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि फिल्म देखकर लोग हंसे, फिल्म ने परिवारों को एक साथ जोड़ा। मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम यह था कि शूटिंग के दौरान जितना मजा आया, वही ऑडियंस तक भी पहुंचा। यह सफर सिर्फ फिल्म बनाने का नहीं, बल्कि हंसी, खुशी और यादगार पल बनाने का भी था। मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं कि इसका हिस्सा बन सकी।

इंडस्ट्री में आया बड़ा बदलाव

कुब्रा इंडस्ट्री में पिछले पंद्रह साल से काम कर रही हैं। इस दौरान अपने इंडस्ट्री के अनुभव और अपनी यात्रा को लेकर एक्ट्रेस कहती हैं कि शुरुआत में जब मैं बॉम्बे आई थी, तो मेरे पास किसी का नंबर नहीं था और इंडस्ट्री बहुत बड़ी और अलग लगती थी। आज सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा कर दिया है। अब शहर में अकेला या अजनबी नहीं लगता, बल्कि एक तरह से परिचित लगता है। यह मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव है।

धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना सीख रही हूं

कुब्रा ने अपने कठिन किरदारों के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे किरदार आए जो मुझे पहली बार देखकर उत्साहित नहीं कर रहे थे, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें निभाया। जैसे 'फाउंडेशन' में फारा का किरदार, सीरीज 'इल्लीगल' में मेहर सलाम और 'शहर लखोट' में पल्लवी। पहले मैं ऐसे किरदारों के बाद जल्दी हिम्मत हार जाती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे सीख रही हूं कि उनके इमोशंस को महसूस करना है बिना खुद टूटे। कठिन किरदार हमारे धैर्य और ताकत को परखते हैं और मुझे हर नए किरदार के लिए तैयार करते हैं।

हमें किरदार को इंटरेस्टिंग बनाना चाहिए

स्टीरियोटाइप और टाइपकास्ट होने को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि कभी-कभी लोग आपको एक ही तरह के किरदार में देखते हैं। लेकिन अगर स्क्रिप्ट में समानताएं हों, तो हम अपने तरीके से उसे ताजा और इंटरेस्टिंग बना सकते हैं। यही कला है और काम करने की असली खुशी है।

नीरू बाजवा ने इस तरह की फिल्म तेहरान की तैयारी

अभिनेत्री नीरू बाजवा ने अपनी फिल्म तेहरान में अपने किरदार की तैयारी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने ज्यादा रिहर्सल या मेथड एक्टिंग नहीं की, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक तरीका अपनाया। उन्होंने कहा, मैंने कोई तयशुदा तैयारी प्रक्रिया नहीं अपनाई। मैंने सिर्फ स्पाई फिल्मों को देखकर समझा कि ऐसे किरदार किस तरह चलते-फिरते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है और वे खुद को कैसे पेश करते हैं। बाजवा का मानना है कि इस तरह का ऑब्ज़र्वेशन करने से उन्हें सेट पर प्राकृतिक रूप से ढलने और किरदार को असली अंदाज़ में निभाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान सहयोगी माहौल का भी ज़िक्र किया और अपने सह-कलाकार जॉन अब्राहम की तारीफ की। उन्होंने कहा जॉन बहुत ही विनम्र और सकारात्मक रहे। वे हमेशा ध्यान रखते थे कि सेट पर हर कोई आरामदायक महसूस करे। उसी माहौल की वजह से हम सभी की परफॉर्मेंस बेहतर हुई। अपनी सहजता, ऑब्ज़र्वेशन और टीम के सपोर्ट से बाजवा का मानना है कि उनका तेहरान का किरदार बेहद नैचुरल तरीके से सामने आया।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। श्रीदेवी विजयकुमार ने प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे।

टॉक्सिक में जानबूझकर रुक्मिणी वसंत की एंट्री को गुपचुप रखा गया था

यश की टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स में पाँचवीं हीरोइन कौन होगी, इस सस्पेंस का परदा अब हट चुका है। खबर पक्की है कि एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थीं, बस मेकर्स ने जानबूझकर उनकी एंट्री को गुपचुप रखा था। सूत्रों की मानें तो रुक्मिणी ने पहले ही मुंबई शेड्यूल में यश के साथ कई सीन शूट कर लिए हैं और अब उनके हिस्से की बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी है। सूत्रों ने बताया - फिल्म की कहानी हमेशा से दमदार फीमेल किरदारों पर टिकी हुई है और रुक्मिणी का रोल भी उतना ही स्ट्रॉन्ग है। वो कहानी में जबरदस्त असर लेकर आती हैं। टीम चाहती थी कि ये सरप्राइज़ आखिर तक बना रहे, इसलिए उनका नाम अभी तक छुपाया गया था। अब रुक्मिणी भी जुड़ गई हैं टॉक्सिक की शानदार हीरोइनों की लाइन-अप में — जिसमें पहले से ही कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी स्टार्स शामिल हैं। हर कोई फिल्म के नैरेटिव को और गहराई देने वाला है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही ये फिल्म फिलहाल मुंबई में शूट हो रही है और इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ डेट फिक्स है - 19 मार्च 2026। साथ ही ये एक माइलस्टोन भी है क्योंकि टॉक्सिक पहली बड़ी फिल्म है जो एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हो रही है और फिर हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब होकर रिलीज़ होगी। कन्नड़ इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाली रुक्मिणी वसंत पहले ही सप्त सागरदाचे एलो से तारीफें बटोर चुकी हैं। उनके पास आगे भी मधरासी, कंतारा चैप्टर 1 और एनटीआर नील जैसी फिल्में हैं, जिससे वो इंडस्ट्री की सबसे बिज़ी और चर्चित यंग एक्ट्रेस बन चुकी हैं। टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का प्रोडक्शन वेंकट के. नारायण (केवीएन प्रोडक्शंस) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स) मिलकर कर रहे हैं।

नक्सलवादी नहीं काले रंग के कारण फिल्म से निकाला

पांच दशकों का लंबा करियर, चार राष्ट्रीय पुरस्कार, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाने -माने कलाकार मिथुन चक्रवर्ती जितने विविधरंगी डकार रहे, उतने ही बेबाक और बिंदास। इन दिनों वे चर्चा में हैं विवादास्पद फिल्म द बंगाल फाइल्स से। इस मुलाकात में वे फिल्म, विवादास्पद बयान, संघर्ष, काले रंग के कारण हुए भेदभाव,अपने नक्सली अतीत जैसे मुद्दों पर अपने अंदाज में दिल खोल कर बातें करते हैं।

पचास साल के अपने करियर में आपने सिनेमा को लगातार संवारा है, आज पलट कर देखते हैं, तो कैसा लगता है?

ऐसा ही लगता है कि इतने साल कैसे हो गए? एक समय मैं स्ट्रगलर था, फिर स्ट्रगलर से सुपरस्टार बना। इतने सारे अवॉर्ड्स और फिर दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, लेकिन मैं अपने आप को शुरू का मिथुन चक्रवर्ती ही मानता हूं। उस मिथुन और आज के मिथुन में कोई फर्क नहीं है। मैं किसी का मिथुन दादा, किसी का दोस्त, किसी का पड़ोसी, लगता हूं। वो फील मैंने हमेशा रखा है। मैंने अपने दिमाग में कभी वो चीज लाने ही नहीं दी कि मुझे चार-चार नैशनल अवॉर्ड मिले हैं। लोग मुझे लिविंग लेजेंड कहते हैं, मैं ये सब सुनता हूं, मगर उसे अंदर नहीं आने देता।

आपने द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्म के लिए हामी क्यों भरी?

कारण यही था कि विवेक अग्निहोत्री अगर कोई फिल्म बनाते हैं, तो मेरे लिए कैरेक्टर बनाते हैं। मैंने ये फिल्म किरदार के कारण चुनी। मैं इसमें एक पागल आदमी का किरदार अदा कर रहा हूं, जो असल में पागल नहीं है। एक ऐसा पुलिस अफसर, सच बोलने के एवज में जिसकी जुबान काट दी गई थी। यह सड़कों पर कहीं भी सो जाता है, कचरे के डिब्बे से खाना उठाकर खाता है। यह किरदार फिल्म की अंतरात्मा है। यह जुबान से बोल नहीं पाता, तुतलाता है। इस चरित्र को निभाने में मुझे काफी तकलीफ हुई, मगर विवेक चाहते थे कि मैं ही करूं। बहुत दिनों तक मैं इसे करने से मना भी करता रहा, मगर आखिरकार मैंने किया।

लोग तो कह ही रहे हैं, मगर फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी स्वीकार किया कि ये एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगे?

एकदम, ये एजेंडा वाली फिल्म ही है। विवेक सचाई पर फिल्म बनाता है, किसी फेक स्टोरी पर नहीं। उसका डॉक्युमेंटेशन ज़बरदस्त होता है, रिसर्च गहरा होता है। वो सबूत के साथ आपको फिल्म बना कर दिखाएगा। तो इसमें उसने कुछ गलत नहीं कहा।

हाल ही में पड़ोसी मुल्क पर की गई अपनी बायनबाजी (यूरिनेशन वाला बयान) के कारण आप विवादों में भी आ गए?

मैं जो कुछ कहता हूं, सच ही कहता हूं। जो मेरे दिल में आता है, मैं कह देता हूं, फिर वो पड़ोसी देश के लिए हो या किसी और देश के लिए। मुझे जो सच लगता है, मैं वह बोल देता हूं।

संघर्ष के दौर में डूबते को तो तिनके का सहारा भी काफी होता है? आपके लिए क्या था?

मैं तिनके के सहारे के बारे में भी नहीं सोच पाता था, मगर हां जो मुझे पहली फिल्म मिली, उसमें मैं आदिवासी हीरो बना, जो मेरे लिए एकदम परफेक्ट बैठ गया। फिल्म थी मृगया, इसके लिए मुझे नैशनल अवॉर्ड मिला। फिर मैंने रक्षक की, सुरक्षा में काम किया। मैं इवॉल्व हुआ, परफॉर्मेंस के नजरिए से, डांस की दृष्टि से।

मैं लोगों से कहता था, मेरे रंग को मत देखो, मेरा डांस देखो। इसीलिए आपने नोट किया होगा कि मेरी सारी डांसिंग पैरों से होती है। मैं अपने चेहरे पर ज्यादा फोकस नहीं करता। मैं एल्विस प्रेस्ली का फैन रहा हूं, तो मैं उनके डांस स्टेप्स को कॉपी करके अपने मूव्ज मिलाकर मैंने अपना स्टाइल बना दिया, जो आज की तारीख में मिथुन चक्रवर्ती की डांसिंग स्टाइल हर पार्टी या इवेंट में कॉपी होती है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 25 से 29 सितंबर-2025 तक इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम की अध्यक्षता में इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा के सभागार में तैयारियों को लेकर सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उन्होंने परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि मेट्रो स्टेशन, रेलवे स्टेशन व बस अड्डों से एक्सपो स्थल तक विशेष शटल बस सेवा चलाई जाए। साथ ही टैक्सी और ई-रिक्शा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो। साथ ही कहा कि सभी होटल और गेस्ट हाउस निर्धारित दरों से अधिक शुल्क न लें, इसके लिए निगरानी टीमें निरंतर निरीक्षण करेंगी और शिकायत मिलने पर तत्काल कार्यवाही होगी। जिलाधिकारी ने मोबाइल कंपनियों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शो के दौरान नेटवर्क कनेक्टिविटी को दुरुस्त रखने के लिए अतिरिक्त मोबाइल टावर व तकनीकी सहायता की व्यवस्था की जाए ताकि किसी भी प्रकार की नेटवर्क समस्या न हो। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि आयोजन स्थल पर डॉक्टरों की विशेष टीम 24 घंटे उपलब्ध रहे। पर्याप्त संख्या में मेडिकल कैंप, एम्बुलेंस व आपातकालीन सेवाएँ तैनात की जाएं। उन्होंने विद्युत विभाग को शो के दौरान 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने और बैकअप व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। फायर विभाग को निर्देश दिए गए कि पूरे परिसर में अग्निशमन यंत्र, फायर टेंडर, आपातकालीन निकासी मार्ग और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएँ पूरी तरह से क्रियाशील स्थिति में रहें। डीएम ने कहा कि सभी विभाग समयबद्ध तरीके से कार्य पूरे करें और आपसी समन्वय बनाकर आयोजन को सफल बनाएं।

बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटर नोएडा सौम्य श्रीवास्तव, श्रीलक्ष्मी वीएस, प्रेरणा सिंह, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0शिवाकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, सिटी (मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया, डिप्टी कलेक्टर दुर्गेश सिंह,मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र कुमार, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन सियाराम वर्मा, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन डॉ उदित नारायण पांडेय, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला अभिहित अधिकारी सर्वेश मिश्रा, एक्सपो मार्ट प्रबंधन सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पर्थला खंजरपुर में 12 हेक्टेयर जमीन से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

नोएडा (चेतना मंच)। पर्थला खंजरपुर गांव में ग्राम समाज की जमीन को भोले भाले लोगों को बेंच कर प्लाटिंग काट रहे भू-माफियाओं के खिलाफ आज जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासन ने बुलडोजर के जरिए 12 हेक्टेयर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कर दिया। इसकी बाजारी कीमत करीब 105 करोड रुपए बताई जाती है।

दादरी के एसडीएम अनुज नेहरा की अगवाई में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। भारी संख्या में पुलिस बल के साथ पहुंचे बुलडोजर ने ग्राम समाज की जमीन पर किए गए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। बताया जाता है कि ग्राम समाज की गाटा संख्या 151, 153 तथा 154 में करीब 12 हेक्टेयर जमीन में कुछ भूमाफिया कॉलोनी काट रहे थे तथा बेच रहे थे। इसके पूर्व प्रशासन ने कई बार भूमाफियाओं को नोटिस भी जारी किया लेकिन भूमाफिया अवैध अतिक्रमण तथा प्लाटिंग काटते रहे। इस कार्रवाई से भूमाफियाओं में हड़कंच मच गया है।

शस्त्र विक्रय दुकानों की नियमित जांच की जाए : मेधा रूपम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में शस्त्र अधिनियम 1959 एवं शस्त्र नियमावली 2016 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनपद स्तर पर गठित टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर जिला अधिकारी (प्रशासन), सदस्य सचिव, संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं अपर पुलिस आयुक्त (सुरक्षा एवं अभिसूचना) सहित अन्य अधिकारी सदस्य के रूप में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद में शस्त्र विक्रय की दुकानों की नियमित जांच की जाए। अवैध शस्त्रों एवं उनके परिवहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सघन निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही लाइसेंसी शस्त्रों के दुरुपयोग की स्थिति में संबंधित लाइसेंस को तत्काल निरस्त करने की कार्रवाई की जाए। उन्होंने इंटेलिजेंस टीम को स्टिंग ऑपरेशन करने और अवैध गतिविधियों पर सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही आम जनता को भी जागरूक करने के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

रजत विहार में महिलाओं ने मनाई हरतालिका तीज

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित रजत विहार सी. लॉक मे हर तालिका तीज धूम धाम से मनाई गई।

पंडित पवन पांडेय ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार, हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग को अखंड बनाए रखने और अविवाहित युवतियां मनचाहा वर पाने के लिए करती हैं।

यह व्रत महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए करती हैं। इस दिन महिलाएं गौरी-शंकर की पूजा करती हैं और निर्जला व्रत का पालन करती हैं।

हरतालिका तीज पर 5 प्रहर की होती है पूजा-हरतालिका तीज पर पांच प्रहर यानी दिनभर में पांच बार पूजा-अर्चना की जाती है।